



Alia Bhatt To Star In Tumbbad...



एनाएसजी कमांडो ट्रेनिंग सेंटर पहुंचे एमएस धोनी चलाई मशीनगन, पिस्टल से भी लगाया निशाना

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी चेन्नई में नेशनल शिवयोरिटी गाइड्स (एनाएसजी) के टीजनल हब पहुंचे। यहां उन्होंने सब-मशीनगन (छोटी मशीनगन) चलाई। साथ ही पिस्टल से भी निशाना लगाया। 44 साल के धोनी ने यहां कमांडो और उनके परिवारों के साथ समय बिताया।

SHARE	
सेसेक्स	: 75,315.04
निफटी	: 23,649.95

SARAF	
सोना	: 14,450
चांदी	: 300.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

सासाराम में ट्रेन की जनरल बोगी में लगी आग

SASARAM : सोमवार को सासाराम में सासाराम-आरा-पटना एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 53212) में अचानक आग लग गई। आग ट्रेन की जनरल बोगी डी3 में लगी थी। इसके बाद बोगी से धुआं और लपटें उठने लगीं। घटना के समय ट्रेन 6 नंबर प्लेटफॉर्म पर खड़ी थी। आग लगते ही यात्रियों के बीच भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए जल्दबाजी में ट्रेन से उतरने लगे। कई यात्री अपना सामान छोड़कर प्लेटफॉर्म की ओर भागे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पहले कोच के अंदर से तेज जलने की गंध महसूस हुई। इसके बाद बोगी के भीतर धुआं भरने लगा और आग की लपटें दिखाई दीं। कल यानी रविवार को त्रिवेन्द्रम से हजारत निजामुद्दीन (दिल्ली) जा रही राजधानी एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 12431) में आग लगी थी। आग ट्रेनपसी कोच बी-1 में आलोट के पास लुगी रीख-विक्रमगढ़ स्टेशन के बीच सुबह करीब 5:15 बजे लगी थी।

ट्रक पलटने से 4 मजदूरों की चली गई जान

DHALAI : त्रिपुरा के धलाई जिला स्थित लोगतराई पैली उपखंड में भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। पथर के चिप्स से लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे चार मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह अन्य घायल हो गए। घायलों में एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, ट्रक वायमानु से बीजू बॉर्डर आउट पोस्ट की ओर निर्माण सामग्री लेकर जा रहा था। सीमा क्षेत्र में चल रहे आधारभूत ढांचा निर्माण कार्य के लिए पथर के चिप्स पहुंचाए जा रहे थे। इसी दौरान खराब और खड़ी चढ़ाई वाले रास्ते पर ट्रक संतुलन खो बैठा। अधिकारियों ने बताया कि ट्रक चढ़ाई पर नहीं कर सका और पोंछे की ओर लुढ़कते हुए पलट गया। ट्रक के ऊपर पथरों के ढेर पर बैठे मजदूर सड़क पर गिर गए।

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड मंत्रालय में नव नियुक्त इंटर एवं स्नातक प्रशिक्षित शिक्षकों (सहायक आचार्यों) तथा आगनबाड़ी पर्यवेक्षिकाओं को नियुक्ति पत्र दिया। मुख्यमंत्री ने कक्षा 1 से 5 तक के लिए 160 तथा कक्षा 6 से 8 तक के लिए 156 सहायक आचार्यों समेत कुल 316 शिक्षकों और 17 महिला पर्यवेक्षिकाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे। मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल नौकरी नहीं, बल्कि समाज और राज्य के समग्र विकास की बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने नवनियुक्त कर्मियों से गांव-गांव और घर-घर जाकर सरकार के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के अंतिम व्यक्ति तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। इसमें

केरलम के 13वें मुख्यमंत्री बने वीडी सतीशन, 20 मंत्रियों ने भी ली शपथ



THIRUVANANTHAPURAM : सोमवार को कांग्रेस नेता वीडी सतीशन केरलम के 13वें मुख्यमंत्री बने। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अलेक्कर ने उनके अलावा पूरी कैबिनेट (20 मंत्रियों) को शपथ दिलाई। ऐसा 64 साल के बाद हुआ। इससे पहले राज्य के तीसरे कांग्रेसी मुख्यमंत्री रहे आर शंकर ने

यह केवल नौकरी नहीं, समाज और राज्य के समग्र विकास की बड़ी जिम्मेदारी सरकार के विभिन्न विभागों में तीन-चार माह में होंगी और भी नई नियुक्तियां महिलाओं और बच्चों को सशक्त बनाने के लिए कारगर कदम उठा रही सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय व सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस जैसी चलाई जा रही योजनाएं

शिक्षकों व महिला पर्यवेक्षिकाओं की भूमिका अहम होगी। मुख्यमंत्री

बीते दो वर्षों में 16 हजार से अधिक युवाओं को दिया गया है रोजगार



दुर्गम क्षेत्रों में जाकर संवारे बच्चों का भविष्य

मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त शिक्षकों से कहा कि उन्हें दुर्गम इलाकों में जाकर चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में काम करना होगा। उन्होंने कहा कि बच्चे कच्ची मिट्टी की तरह होते हैं और उन्हें तराशने की जिम्मेदारी शिक्षकों के हाथ में होती है। उन्होंने शिक्षकों से पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने की अपील की। उन्होंने कहा कि कुछ शिक्षक सुदूर ग्रामीण

क्षेत्रों में जाने से कतराते हैं, लेकिन ऐसी सोच के साथ समग्र विकास संभव नहीं है। राज्य सरकार चाहती है कि हर क्षेत्र के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले और इसी उद्देश्य से मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय एवं सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस जैसी योजनाएं चलाई जा रही हैं। कुपोषण को अभिशाप बताते हुए इसे दूर करने के लिए अभियान चलाने का भी निर्देश दिया।

बहुल है, जो लंबे समय तक विकास की मुख्यधारा से पीछे रहा।

पारदर्शी तरीके से दी जा रही नौकरियां

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के कई हिस्सों में पेंपरलीक जैसी घटनाओं से नियुक्तियां प्रभावित हो रही हैं, लेकिन झारखंड सरकार ने पारदर्शी तरीके से लगातार नियुक्तियां की हैं। उन्होंने बताया कि पिछले चार महीनों में शिक्षा विभाग में 9 हजार से अधिक तथा बीते दो वर्षों में 16 हजार से ज्यादा युवाओं को रोजगार दिया गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में सरकार बनने के बाद विभिन्न विभागों में लगातार नियुक्तियां की जा रही हैं और यह प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी। तीन-चार महीनों में और भी नई नियुक्तियां की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि पूर्व के कार्यालय में भी बड़े पैमाने पर नियुक्तियां की गई थीं। मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय जैसी पहल इसलिए की गई है, ताकि वर्षों से शिक्षा व्यवस्था पर लगे कलंक को मिटाया जा सके और बच्चों को बेहतर भविष्य दिया जा सके।

यूपी के लखीमपुर खीरी में पीलीभीत-बस्ती हाईवे पर अदलीसपुर गांव के पास हादसा ट्रक ने पिकअप में मारी टक्कर, 10 की मौत

9 लोगों की साँट डेथ, एक ने अस्पताल में तोड़ा दम, मृतकों में टीचर- इंजीनियर भी



सीट के बीच में ही फंस गए थे लोग

मृतकों की पहचान जयवीर सिंह, पवन कुमार, सोहन, अदनान, राजेश गोयल, पप्पू, गायत्री वैश्य, जुलेखा, हबीब और कलेश के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पिकअप वैन लखीमपुर से सिसैया की तरफ से जा रहा था। इसे

बहराइच से आ रहे तेज रफतार ट्रक ने सामने से टक्कर मारी। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। ट्रकवर इतनी भीषण थी कि वैन में बैठे लोगों के सिर टूट गए। लोग सीट के बीच में ही फंस गए।

महाराष्ट्र में ट्रक-कंटेनर की टक्कर, 12 की मौत

PALGHAR : महाराष्ट्र के पालघर में मुंबई-अहमदाबाद नेशनल हाईवे पर सोमवार को ट्रक और कंटेनर की टक्कर हो गई। हादसे में 12 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक डहाणू तरासील के बापुगांव से 100 से ज्यादा लोग एक सप्ताह कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ट्रक में जा रहे थे। इसी दौरान पालघर जिले के धानीवरी गांव के पास सामने से आ रहे कंटेनर से ट्रक की आगमन-सामने भिड़त हो गई।

अदालत ने अधिकारियों की कार्यशैली पर जताई कड़ी नाराजगी

22 जून तक रिटायर्ड कर्मियों का करें पेंशन और बकाया भुगतान : हाईकोर्ट

PHOTON NEWS RANCHI :

सोमवार को झारखंड हाईकोर्ट ने रिटायर्ड कर्मियों को पेंशन और बकाया भुगतान नहीं किए जाने पर राज्य सरकार के अधिकारियों की कार्यशैली पर कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि 22 जून तक प्रार्थियों को पेंशन एवं पंचम से सप्तम वेतवर्मान का बकाया भुगतान सुनिश्चित किया जाए। ऐसा नहीं करने पर उच्च शिक्षा निदेशक की सैलरी रोक दी जाएगी। जस्टिस दीपक रोशन की अदालत में बसंत कुमार साहू समेत 15 प्रार्थियों द्वारा दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने

आदेश का पालन नहीं होने पर उच्च शिक्षा निदेशक की सैलरी पर लगेगी रोक



मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि चार दशक तक सेवा देने वाले कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद भी उनका वैधानिक लाभ नहीं देना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता प्रेम पुजारी ने पक्ष रखा। उच्च शिक्षा निदेशक चौथी बार अदालत में उपस्थित हुए। इस बार उन्होंने वचुंअल माध्यम से कोर्ट की

प्रेस कॉन्फ्रेंस ओस्लो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नॉर्वे के पीएम योनास स्टोरे की मौजूदगी में कहा-

अब भारत और यूरोप के बीच शुरू हो चुका रिश्तों का गोल्डन एरा

NEW DELHI @ PTI : सोमवार को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में नॉर्वे के पीएम योनास स्टोरे के साथ जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि पिछले साल भारत और यूरोपियन फ्री ट्रेड एग्रीमेंटेशन देशों के बीच ऐतिहासिक व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौता लागू हुआ था। पीएम मोदी के अनुसार, यह समझौता भारत और नॉर्वे के बीच साझा विकास और समृद्धि का मजबूत आधार बनेगा। इस समझौते के तहत अगले 15 सालों में भारत में 100 अरब डॉलर के निवेश और 10 लाख नौकरियां पैदा करने का टारगेट रखा गया है। पीएम मोदी ने कहा कि आरजेय गुजरा अस्थिरता और अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है। ऐसे समय में भारत और यूरोप के रिश्ते एक नए गोल्डन एरा यानी स्वर्णिम दौर में प्रवेश कर रहे हैं।

पिछले साल लागू हुआ था ऐतिहासिक व्यापार व आर्थिक साझेदारी का समझौता यह एमओयू दोनों देशों के साझा विकास और समृद्धि का बनेगा मजबूत आधार

खास बातें

अगले 15 सालों में यूरोप भारत में 100 अरब डॉलर करेगा निवेश, 10 लाख आएंगी नई नौकरियां

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ खड़े होकर नॉर्वे ने दिखाई सच्ची दोस्ती

प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया व यूक्रेन में संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान का किया आह्वान



दुनिया की बढ़ती चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक संस्थाओं में सुधार आवश्यक

शांति के हर प्रयास का समर्थन जरूरी

मोदी ने बताया कि उनकी नॉर्वे यात्रा पिछले साल तय थी, लेकिन फलगाम आतंकी हमले की वजह से उसे टालना पड़ा। उस मुश्किल समय में नॉर्वे ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ मजबूती से खड़े होकर सच्ची दोस्ती दिखाई। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम एशिया व यूक्रेन में संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान का आह्वान किया। कहा कि केवल सैन्य कार्रवाई से स्थायी शांति

प्राप्त नहीं की जा सकती है। मोदी ने कहा- भारत और नॉर्वे, दोनों ही नियम आधारित व्यवस्था, संवाद और कूटनीति में विश्वास रखते हैं। हम इस बात से सहमत हैं कि किसी भी मुद्दे का समाधान केवल सैन्य संघर्ष से नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा, चाहे यूक्रेन हो या पश्चिम एशिया, हम संघर्ष की शीघ्र समाप्ति और शांति के लिए किए जा रहे हर प्रयास का समर्थन करना जारी रखेंगे।

BRIEF NEWS

तीन साल बाद फर्जी निकासी के मामले में एफआईआर

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के मुख्यालय चाईबासा स्थित को-ऑपरेटिव बैंक में खाताधारकों की राशि से कथित अवैध निकासी को लेकर तीन साल बाद सोमवार को सदर थाना में एफआईआर हुई। इस मामले में दायर दो अलग-अलग मामलों की सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी ने एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया। लंबे समय से न्याय की गृहार लगा रहे पीड़ितों में अब कार्रवाई की उम्मीद जगी है। इसमें एक मामला झीगढ़ा गांव के निवासी अमृत लाल काल्डिया की स्वर्णरेखा परियोजना से मिली मुआवजा राशि का है, जबकि दूसरा मटकमहातु गांव की निवासी जमा कुई जून 2022 से सितंबर 2024 तक वृद्धा पेंशन के करीब 45 हजार रुपये की निकासी का है।

जांच अभियान में 23 वाहनों से वसूला 25 हजार रुपये का जुर्माना

CHAIBASA : जिला परिवहन कार्यालय की ओर से सोमवार को चाईबासा के सरायकेला मोड़ के पास सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व मोटरयान निरीक्षक नेल्सन तिर्की और कृष्णा सोरेन ने किया। इस दौरान सड़क सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए वाहनों की गहन जांच की गई। अभियान के दौरान विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों के हेलमेट और चारपहिया वाहनों में सीट बेल्ट के उपयोग की जांच की गई। इसके अलावा वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीकरण, बीमा और अन्य जरूरी दस्तावेजों की भी पड़ताल की गई। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जुमाना वसूला गया। मोटरयान निरीक्षक ने बताया कि जिले में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं में दोपहिया वाहनों की संख्या अधिक पाई जा रही है।

दिवंगत सीआरपीएफ जवान की विधवा को मिला 1.15 करोड़ का चेक

PALAMU : छत्तीसगढ़ में तैनात सीआरपीएफ जवान मुकेश कुमार की कुछ माह पूर्व हुई सड़क दुर्घटना में मौत के बाद उनकी विधवा साया देवी को 01 करोड़ 15 लाख रुपये का चेक एसबीआई की हैदरनगर शाखा में सोमवार को प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि सीआरपीएफ जवान मुकेश कुमार पलामू जिले के हैदरनगर क्षेत्र के रानीदेवा गांव के निवासी थे। उनकी मौत छत्तीसगढ़ में ही एक सड़क दुर्घटना में हो गई थी। एसबीआई के मुख्य प्रबंधक ईओ तिग्गा ने कहा कि वेतन खाता के तहत दुर्घटना बीमा की 01 करोड़ 15 लाख रुपये की राशि उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि एसबीआई के सभी खातों पर बीमा होता है। छोटे से छोटे आय वर्ग के लोग भी अपने खाते से एसबीआई या सरकार की विभिन्न बीमा योजनाओं से जुड़ सकते हैं। सीआरपीएफ जवान मुकेश कुमार का एसबीआई में वेतन खाता था।

एवशन

गत माह 31 सड़क दुर्घटनाओं में 24 लोगों की हुई मौत, 14 हुए घायल

PHOTON NEWS JSR : समाहरणालय सभागार में पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त राजीव रंजन की अध्यक्षता में सोमवार को जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं यातायात प्रबंधन से संबंधित बैठक हुई। इसमें सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात नियमों के अनुपालन, हिट एंड रन मामलों में त्वरित मुआवजा भुगतान, स्कूल वाहनों की फिटनेस जांच तथा ओवरस्पीडिंग एवं ड्रिंक एंड ड्राइव पर प्रभावी नियंत्रण के लिए विस्तृत समीक्षा की गई। अप्रैल में हुई 31 सड़क दुर्घटनाओं पर उपायुक्त ने गंभीर चिंता व्यक्त की। इन दुर्घटनाओं में 24 व्यक्ति की मृत्यु तथा 14 लोग घायल हुए हैं। समीक्षा के क्रम में पाया गया कि लगभग 90

खूंटी जिले के सायको थाना क्षेत्र स्थित बाजार में बदमाशों ने दिया वारदात को अंजाम मेला देखने गए किशोर-किशोरी की धारदार हथियार से हुई हत्या

PHOTON NEWS KHUNTI :

खूंटी जिले के सायको थाना क्षेत्र स्थित सायको बाजार में मेला देखने गए किशोर और किशोरी की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। ग्रामीणों ने दोनों के शव देखे तो पुलिस को सूचना दी। बताया जा रहा है कि रविवार की रात को सायको बाजार में मेला लगा था। यहाँ छऊ नृत्य भी हो रहा था। किशोर और किशोरी छऊ नृत्य देखने आए थे। कार्यक्रम स्थल से थोड़ी दूर पर हड़िया की दुकान थी। किशोर और किशोरी को हड़िया की दुकान के पास देखा गया और यहाँ बदमाशों ने उन पर हमला कर धारदार हथियार से दोनों की हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद हत्यारे मौके से फरार हो गए। रात में किसी को घटना का पता नहीं चला। सोमवार की सुबह लोगों की नजर शव पर पड़ी, तब पुलिस को सूचना दी गई। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस की फॉरेंसिक साईंस लैब



घटनास्थल का निरीक्षण करते पुलिस पदाधिकारी

● फोटोन न्यूज

ससुराल आए युवक की फंदे पर मिली लाश

PALAMU : पलामू जिले के लेस्लीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत दरुडीह गांव में रविवार को देर रात एक युवक की फंदे पर लटकी लाश मिली। जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान मेदिनीनगर वार्ड संख्या-10 निवासी शिवानंद मेहता के पुत्र रूपेश मेहता के रूप में हुई है। वह अपने ससुराल दरुडीह गांव निवासी विनोद महतो के घर अपने साले की शादी में शामिल होने आया था। बताया जाता है कि रविवार रात करीब 11 बजे रूपेश ने परिवार के साथ भोजन किया और इसके बाद अकेले कमरे में सोने चला गया। देर रात काफी समय तक कमरे का दरवाजा नहीं खुलने और अंदर से कोई हलचल नहीं होने पर मृतक की सास को संदेह हुआ। उसने कमरे के वेंटिलेटर से झाँककर देखा तो रूपेश पखे से फंदे के सहारे झूलता मिला। इसके बाद घर में चौक-पुकार मच गई। घटना की सूचना मिलते ही लेस्लीगंज थाना की पुलिस पहुंची।

की टीम भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए गए। डॉंग स्वक्वाड को भी बुलाया गया। डीएसपी वरुण रजक ने

कहा कि प्रथम दृष्टया मामला प्रेम-प्रसंग का लग रहा है। वैसे किसी आपसी रंजिश या किसी गंभीर विवाद के बाद किशोर और

किशोरी की हत्या की गई हो। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जल्द ही हत्यारों का पता लगाकर उन्हें जेल भेजा जाएगा।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने की कार्रवाई, नकली पनीर व मिलावटी खाद्य सामग्री को किया नष्ट

PHOTON NEWS RAMGARH : रामगढ़ जिले में खाद्य सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। उपायुक्त ऋतुराज के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग ने सोमवार को शहर में व्यापक जांच अभियान चलाया। इस दौरान ठेले, खोमचे, होटल और विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच की गई, जिसमें कई जगह गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। जांच के दौरान कई स्थानों पर नकली पनीर, हानिकारक मसाले और एक्सपायरी कोल्ड ड्रिंक पाए गए। इसके अलावा ठेलों पर बेचे जा रहे छोले और चटनी में औद्योगिक रंग (इंडस्ट्रियल कलर) के उपयोग की भी पुष्टि हुई, जो स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक माना जाता है। सभी असुरक्षित खाद्य पदार्थों को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया।

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने सदर अस्पताल और सिविल कोर्ट के



खाद्य सामग्री का निरीक्षण करते अधिकारी

● फोटोन न्यूज

आसपास लगे ठेलों का निरीक्षण किया, साथ ही कोठार क्षेत्र में स्थित विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों की भी जांच की गई। इस दौरान कोठार स्थित होटल एमआर स्वीट्स, होटल फ्लाईओवर और पवन होटल में भी अनियमितताएँ पाई गईं। होटल एमआर स्वीट्स में करीब 10 किलो मिलावटी पनीर बरामद किया गया, जिसे तुरंत नष्ट कर दिया गया। वहीं लगभग 30 लीटर एक्सपायरी कोल्ड ड्रिंक भी जब्त कर नष्ट की गई। इसके अलावा होटल एमआर और होटल फ्लाईओवर से लिए गए मसालों के नमूनों में हानिकारक रंग

पाए जाने के बाद उन्हें भी मौके पर ही नष्ट किया गया।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने संबंधित प्रतिष्ठानों को चेतावनी देते हुए सुधार नोटिस जारी करने की बात कही है। निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने सभी दुकानदारों को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, लेबलिंग और एक्सपायरी तिथि का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए। साथ ही स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने, नियमित पेस्ट कंट्रोल कराने और होटल व रेस्टोरेंट स्टाफ द्वारा एफ़न, ग्लक्स और हेडगियर का उपयोग सुनिश्चित करने को कहा गया।

खूंटी में तीन प्रभारियों का तबादला, मनीष कुमार बने तोरपा थाना प्रभारी

KHUNTI : प्रशासनिक दृष्टिकोण से पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने

तीन थाना प्रभारियों का तबादला किया है। जारी आदेश में सौरभ कुमार को तपकारा थाना प्रभारी, मनीष कुमार को तोरपा का थाना प्रभारी और राजू कुमार को कर्रा का नया थाना प्रभारी बनाया गया है। सोमवार को मनीष कुमार ने तोरपा थाना में और सौरभ कुमार ने तपकारा थाना में योगदान दिया। मनीष कुमार इसके पूर्व पुलिस लाइन में पदस्थापित थे। तोरपा के साथ निवर्तमान थाना प्रभारी मुकेश कुमार यादव को पुलिस लाइन भेजा गया है। तपकारा के निवर्तमान थाना प्रभारी नितेश कुमार गुप्ता को पुलिस लाइन भेजा गया है।

लातेहार में शिकार करने गए युवक की गोली लगने से मौत, जांच में जुटी पुलिस

PHOTON NEWS LATEHAR : लातेहार जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत कलकलिया गांव में शिकार करने गए युवक की गोली लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान रामेश्वर उरांव के रूप में हुई है। हालांकि, यह अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है कि उसे गोली कैसे लगी। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, रविवार की रात रामेश्वर उरांव गांव के कुछ लोगों के साथ जंगल में जानवरों का शिकार करने गया था। इसी दौरान देर रात गांव के मुखिया सतु उरांव को फोन कर सूचना दी गई कि रामेश्वर को गोली लग गई है। मुखिया ने तुरंत इसकी जानकारी परिजनों को दी, जिसके बाद ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे। वहां रामेश्वर उरांव मृत अवस्था में

NEWS

BOX

केयू के 40 छात्र-छात्राओं को मिला रोजगारपरक प्रशिक्षण

PHOTON NEWS CHAIBASA : कोल्हान विश्वविद्यालय में महेंद्रा प्राइड वलांस्वरुम द्वारा 40 छात्र-छात्राओं को एक सप्ताह का रोजगारपरक सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण दिया गया। इसके समापन पर सोमवार को कुलपति डॉ. अजिता गुप्ता व कुलसचिव डॉ. रंजीत कर्ण ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए। इनमें चार प्रशिक्षुओं को बेस्ट ट्रेनी अवार्ड दिया गया। इस अवसर पर सामाजिक विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. परशुराम सियाल, मानविकी संकाय के अधिष्ठाता डॉ. तपन खानरा तथा विश्वविद्यालय के लेसेमेंट सेल की प्रभारी निदेशक डॉ सुनीता कुमारी भी उपस्थित थीं।

मानगो में किसी ने तीन बसों में लगाई आग, दो जलकर राख

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : मानगो के डिमना रोड स्थित संकीसाई रोड नंबर-1 के पास खड़ी तीन बसों में सोमवार को सुबह करीब 3 बजे आग लग गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग आग बुझाने के लिए बाहर निकले। लेकिन, आग बुझने की बजाय फैलती जा रही थी। इसी दौरान उत्तीर्डीह थाना को सूचना दी गई, जिसके बाद फायर ब्रिगेड को बुलाया गया। अग्निशमन विभाग की गाड़ी ने एक बस की आग पूरी तरह बुझा दी, लेकिन, तब तक दो अन्य बसें जलकर राख हो गईं। बसों में आग कैसे लगी, इसका पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। आसपास के सीसीटीवी कैमरे खगले जा रहे हैं। माना जा रहा है कि किसी असामाजिक तत्व ने यह आग लगाई है या इसके पीछे सोबी-समझी साजिश है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही घटना के कारण का पता लगा लिया जाएगा और आरोपी को ट्रैक कर उसे जेल भेजा जाएगा। बस में लगी आग की लपटें ऊपर उठ रही थीं। इससे बिजली की कैंबल भी प्रभावित हुई। मेन लाइन की कैंबल जलने से इलाके में बिजली आपूर्ति भी बाधित हो गई थी।

राजस्थान के ड्राइवर का कंटेनर में मिला शव, कई सामान बरामद

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : एमजीएम थाना क्षेत्र के बेताकोवा स्थित एक फैक्ट्री के बाहर सोमवार की सुबह कंटेनर में रस्सी के फंदे पर लटका शव मिला। मृतक की पहचान 21 वर्षीय हवा सिंह यादव के रूप में हुई है, वह राजस्थान के अलवर जिला स्थित मुंडावर थाना क्षेत्र के बालुबस गांव का रहने वाला था। बताया जा रहा है कि ड्राइवर फैक्ट्री के बाहर खड़े कंटेनर के अंदर छत पर लगी पाइप के सहारे रस्सी के फंदे पर लटका था। पुलिस ने घटनास्थल से एक हेडफोन और मोबाइल फोन भी बरामद किया है। जांच में यह बात सामने आ रही है कि ड्राइवर फोन पर किसी से बात कर रहा था और इसी दौरान वह तनाव में आ गया। गुस्से में उसने यह आत्मघाती कदम उठा लिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। परिजनों से संपर्क करने का प्रयास कर रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज-अस्पताल भेज दिया। यहां उसका शव शीतगृह में रख दिया गया है।

बदमाशों ने महिला से की चेन छिनतई, हवाई फायरिंग करते भागे

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : साकची के काशीडीह स्थित रामलीला मैदान के पास सोमवार को बदमाशों ने एक महिला के गले से सोने की चेन छिन ली और भागने लगे। तभी महिला ने शोर मचाया। इलाकों में लोग जुट गए और बदमाशों को पकड़ने की कोशिश शुरू कर दी। इसी दौरान बदमाशों ने पिरतौल निकाल कर लोगों को डराने के लिए हवाई फायरिंग भी की। फायरिंग होते ही वहां भागद मच गई। मौके का फायदा उठाकर दोनों बदमाश घटनास्थल से फरार हो गए। बताया जा रहा है कि जहां यह घटना घटी है, वहीं टीओपी भी है। लेकिन, घटना के काफ़ी देर बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और सीसीटीवी फुटेज खगलाने लगी। महिला पास में ही रहती है। वह सुबह में दूध लेकर घर लौट रही थी। तभी यह घटना घटी। महिला का कहना है कि बाइक पर सवार होकर दो बदमाश आए थे। दो दिन पहले ही काशीडीह में पूजा करने जा रही एक महिला के गले से चेन छिनतई का प्रयास हुआ था।



मिला। घटना की सूचना मिलने पर बालूमाथ के थाना प्रभारी अमित कुमार रविदास पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। पुलिस ने सोमवार को शव को पोस्टमॉर्टम के लिए लातेहार सदर अस्पताल भेज दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। वहीं, मृतक के

चाचा नागदेव उरांव ने बताया कि रामेश्वर गांव के दो युवकों के साथ शिकार पर गया था। गोली लगने के बाद दोनों युवकों ने मुखिया को सूचना दी, लेकिन जब ग्रामीण मौके पर पहुंचे, तो दोनों वहां से फरार थे। इससे घटना को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

नाबालिग सहित 36 लोग कराए गए मुक्त, दो मानव तस्क़र गिरफ्तार



PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर थाना क्षेत्र में पुलिस और श्रम विभाग ने संयुक्त रूप से एक बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर के के2 होटल से 36 लोगों को मुक्त कराया है, जिसमें 30 महिला-पुरुष और 6 नाबालिग (5 लड़के और 1 लड़की) शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, इन सभी को बंधुआ मजदूरी के लिए गुजरात ले जाने की तैयारी थी। पुलिस ने, मजदूरों को ले जाने के लिए खड़ी राजलक्ष्मी बस को भी जब्त कर

लिया है। जानकारी के अनुसार, रविवार की रात को पोड़ाहाट के एसडीपीओ को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ अज्ञात मानव तस्क़रों द्वारा नाबालिग बच्चों और महिला-पुरुषों को बंधक बनाकर के2 होटल में रखा गया है, जिन्हें अवैध रूप से गुजरात भेजने की योजना है। पुलिस ने सोमवार को मोरबी, गुजरात निवासी दोनों तस्क़रों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है, जबकि नाबालिगों को चाइल्डलाइन चाईबासा को सौंप दिया गया है।



यायावरी महोत्सव में गीतकार डॉ. सागर बोले- पटकथा के अनुसार करनी होती है गीत की रचना

ठोक देंगे कट्टा कपार में आइए ना हमरा बिहार में...

GORAKHPUR : यायावरी महोत्सव के दौरान देश-दुनिया से आए साहित्यकार, रचनाकार और कलाकारों ने भोजपुरी भाषा, साहित्य, संस्कृति और संगीत से जुड़े विषयों पर अपनी बातें रखीं। चर्चित वेब सीरीज 'खाकी : द बिहार चैप्टर' के गीतकार डॉ. सागर ने कहा कि पटकथा के अनुसार ही गीत की रचना करनी पड़ती है। दिल्ली यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मुन्ना पांडे से बातचीत के क्रम में वह अपने चर्चित गीत 'ठोक देंगे कट्टा कपार में, आइए ना हमरा बिहार में...' के संदर्भ में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। इससे पहले आदित्य राजन ने भोजपुरी कथा साहित्य के संसार में गांव की बात करते हुए 'एड बड़ई खुंटा चीर' जैसी कहानियों का जिक्र करते हुए कहा कि हमारी मातृभाषा भोजपुरी में लोक चेतना साफ झलकती है। इस दौरान फूलचंद गुप्ता ने कहा कि जो भी संघर्ष है, वह गांव का संघर्ष है। जिस तरह से कोवा हकनी का दिन बदल गया था, वैसे ही भोजपुरी के भी दिन बदलेंगे। गांव में लोक कथा का विशेष महत्व है।



भोजपुरी की मौलिकता को कायम रखने पर जोर

प्रो. विमलेश कुमार मिश्र ने भोजपुरी कथा और उपन्यास का जिक्र करते हुए भाषा के विकास के लिए भोजपुरी शिल्प की मौलिकता को कायम रखने पर जोर दिया। उन्होंने पौराणिक कथाओं के माध्यम से भोजपुरी कथा संसार और गांधी दर्शन की स्पष्ट झलक को रेखांकित किया।

रहस्य-रोमांच को भी पसंद कर रहे भोजपुरी पाठक

'भोजपुरी के औपन्यासिकता आ रहस्य रोमांच के संभावना' विषय पर त्रिलोक नाथ पांडेय, डॉ. हर्ष कुमार सिन्हा और विमल चंद्र पांडेय ने अपने विचार प्रस्तुत किए। चाणक्य के जासूस के लेखक त्रिलोक नाथ त्रिपाठी ने कहा कि भोजपुरी में रहस्यात्मक उपन्यास भी जगह बना रहे हैं। लोग रहस्य और रोमांच की कहानियों को लोग पढ़ रहे हैं।

जब गूँजा.... 'हमरा के जगरनाथवा बो क देले बीया..'

इस सत्र में डॉ. हर्ष कुमार सिन्हा ने कहा कि उपन्यास में लोगों की रुचि बता रही है कि भोजपुरी साहित्य अपने उत्कर्ष की ओर अग्रसर है। उन्होंने भोजपुरी के पहले उपन्यास बिद्या का जिक्र किया। इसके अलावा सोशल मीडिया पर हाल में चर्चित हुए एक वीडियो 'हमरा के जगरनाथवा बो क देले बीया...' का उदाहरण देकर लोक अभिव्यक्ति के मूल स्वर को परिभाषित किया। सत्र का संचालन प्रसिद्ध लेखक और फिल्म निर्देशक विमल चंद्र पांडेय ने किया। कार्यक्रम का समापन चंदन तिवारी की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुआ।

भोजपुरी भाषा में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी पर चर्चा

भोजपुरिया माटी के आधी दुनिया सत्र में अमिता तिवारी, दिव्या सिंह व डॉ. क्षमा त्रिपाठी ने महिलाओं के भोजपुरी भाषा में बढ़ती भागीदारी की बातें कही। दिव्या सिंह ने कहा कि घर में शुरू से ही शिक्षा और भोजपुरी का माहौल रहा। अमिता तिवारी ने यायावरी वाया भोजपुरी द्वारा भोजपुरी के लिए किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की। इस सत्र का संचालन डॉ. क्षमा त्रिपाठी ने किया।

भोजपुरी के विकास में सहयोग करे प्रबुद्ध वर्ग

भोजपुरिया एलीट 'आ माई भाषा से नेह छोह' सत्र में डॉ. रंजन कुमार त्रिपाठी, विंग कमांडर अश्विनी दूबे, डॉ. शिरीष कुमार पाठक ने भोजपुरी दुनिया में क्षेत्र से निकले प्रबुद्ध वर्ग को भोजपुरी के विकास के लिए सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कई उदाहरणों के माध्यम से एलीट वर्ग में भोजपुरी भाषा से जुड़ाव की कहानियां सुनाई।

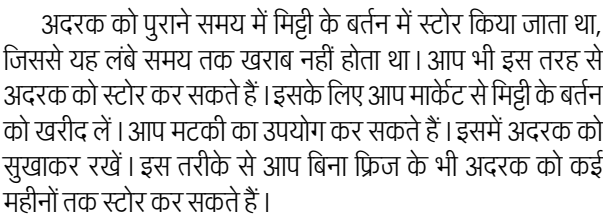




जब सारे करले भर जाएं तब कड़ाही में
ऑयल डालें। आप चाहें तो इसे धागे से बांध भी
सकती हैं। ताकि मसाला बाहर न निकले। अब
तेल डालकर इसे फ्राई कर लें। फिर गैस को स्तो
करके कम कर दें और ढक दें। बीच-बीच में
करेला को पलटते रहें और पूरी तरह फ्राई होने
तक पकाएं। दवा कर चेक कर किये पका है या
नहीं। आप फ्रिज में इसे लंबे समय स्टोर कर
सकती हैं।

अब एक मिक्सर जार में नींबू, पुदीना, काला नमक, जीरा और चीनी डालकर पीस लें।
फिर इस पेस्ट को एक बर्तन में निकाल लें।
एक गिलास में भीगा हुआ गोंद कतीरा डालें और फिर यह पेस्ट डालें।
इसके बाद ऊपर से ठंडा पानी और जलजीरा डालकर मिक्स करें।
बर्फ के टुकड़े ऊपर से डालकर सर्व करें।
गोंद कतीरा तरबूज शर्बत रेसिपी
गोंद कतीरा तरबूज शर्बत बनाने के लिए गोंद कतीरा को भिगो दें।
अब तरबूज को छोटें-छोटे टुकड़ों में काट लें।
फिर मिक्सर जार में इसको पीस लें।
अब एक गिलास में गोंद कतीरा, तरबूज पेस्ट, तरबूज के कटे टुकड़े डालकर मिक्स करें।
इसके ऊपर से ठंडा पानी, काला नमक और बर्फ

अदरक को आप छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर भी स्टोर कर सकते हैं। इसके लिए आप सबसे पहले इसको कद्दूकस या फिर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। अब इसको एयरटाइट बाक्स में रखकर फ्रीजर में स्टोर करें। इस तरह यह अदरक लंबे समय तक खराब नहीं होगी।



टैनिंग रिमूव करने के लिए टमाटर को सबसे अच्छा माना जाता है और यह इस मौसम में काफी सस्ता भी मिल रहा है। असल, में टमाटर में नेचुरल ब्लीचिंग गुण

इन तरीकों से आप टैनिंग वाले हाथों को साफ कर सकती हैं। इससे आपके हाथ साफ-सुथरे लगेंगे और हाथों पर कालापन भी नहीं नजर आएगा। इस तरह से टैनिंग रिमूव कर सकते हैं। हालांकि इसको अप्लाई करने से पहले पैच टेस्ट करना न भूलें। इससे आपको अंदाजा हो जाएगा कि स्किन पर किस चीज को लगाना चाहिए।

यूई का ओपेक से अलग होना ऊर्जा संप्रभुता का संकेत

ओपेक यानी तेल निर्यातक देशों के संगठन का उदय तेल उत्पादक देशों की उस आकांक्षा से हुआ था, जिसके केन्द्र में अपने संसाधनों, उत्पादन और आय पर अधिक नियंत्रण हासिल करने की इच्छा थी। 1960 में जब ईरान, इराक, कुवैत, सऊदी अरब और वेनेजुएला ने बगदाद में इस संगठन की स्थापना की, तो उनका उद्देश्य केवल तेल की कीमतों को प्रभावित करना नहीं था। इसके साथ वे उस वैश्विक व्यवस्था की भी बदलापना चाहते थे, जिसमें तेल उत्पादक देशों के पास संसाधन तो थे, लेकिन कीमत, उत्पादन और आय पर निर्णायक प्रभाव विदेशी कंपनियों और उपभोक्ता देशों का था। इस पृष्ठभूमि में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को ओपेक और ओपेक प्लस से अलग होने को केवल उत्पादन कोष पर मतभेद या क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा के रूप में देखना अधूरा होगा। यह ऊर्जा संप्रभुता की बदलती परिभाषा का संकेत है। 1960 में तेल उत्पादक देशों के लिए सामूहिक मंच बनाना जरूरी था, लेकिन आज 2026 में यूएई जैसे देशों को अपना हित स्वतंत्र निर्णय लेने में है। ओपेक ने तेल उत्पादक देशों को सामूहिक शक्ति दी थी। यूएई अब वही निर्वर्णक सामूहिक उत्पादन सीमाओं के बजाय अपनी क्षमता, अवसरचरणा और दीर्घकालिक राष्ट्रीय रणनीति के आधार पर हासिल करना चाहता है। ओपेक की ऐतिहासिक भूमिका निर्विवाद है। उसने तेल उत्पादक देशों को अंतरराष्ट्रीय तेल कंपनियों और बड़े उपभोक्ता देशों के सामने सामूहिक शक्ति दी। 1970 के दशक में तेल केवल व्यापारिक वस्तु नहीं रहा, बल्कि वैश्विक राजनीति का केंद्रीय तत्व बन गया। सऊदी अरब ने अपने विशाल भंडार और अतिरिक्त उत्पादन क्षमता के कारण इस व्यवस्था में विशेष स्थान बनाया, लेकिन आज तेल बाजार पहले जैसा नहीं है। अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा कच्चा तेल उत्पादक है। रूस, कनाडा, ब्राजील, गुयाना और अन्य गैर-ओपेक तेल उत्पादक देश वैश्विक आपूर्ति को प्रभावित कर रहे हैं। 2016 में ओपेक प्लस का विस्तार इसी बदलती हुई वास्तविकता की स्वीकृति था। ओपेक अप्रासंगिक तो नहीं हुआ, लेकिन तेल बाजार अब उसकी मूल संरचना से आगे निकल चुका है। यूएई की रणनीति भी इसी से जुड़ी है। वह केवल तेल निर्यातक देश बनकर नहीं रहना चाहता, बल्कि वह ऊर्जा, लाजिस्टिक्स, वित्त, तकनीक और वैश्विक व्यापार में अपनी भूमिका बढ़ा रहा है। तेल उत्पादन सीमा से बंधे रहना उसकी व्यापक राष्ट्रीय रणनीति से मेल नहीं खाता। उसके लिए यह केवल तेल उत्पादन की विपणन नहीं, बल्कि भविष्य की अर्थव्यवस्था से जुड़ा प्रश्न है। दुनिया में तेल की मांग अभी समाप्त नहीं हुई है, पर वैश्विक अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे विद्युतीकरण, स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु नीतियों की ओर बढ़ रही है। ऐसे में कम लागत पर तेल निकालने वाले देशों के सामने बड़ा प्रश्न है कि क्या वे कीमतों को ऊंचा बनाए रखने के लिए उत्पादन सीमित रखें या अपने संसाधनों को समय रहते आय में बदलकर भविष्य की तैयारी करें। यूएई का झुकाव दूसरे विकल्प की ओर दिखाई देता है। ईरान-अमेरिका तनाव और होर्मुज स्ट्रेट के आपसपास की अस्थिरता ने इस सोच को और प्रासंगिक बना दिया है। पाइपलाइन अवसरचरणा के कारण यूएई के पास सीमित ही सही, लेकिन ऐसा विकल्प है, जो संकट के समय खरीदारों को अतिरिक्त भारो देता है। इसका महत्व एशिया के लिए विशेष है। भारत, चीन, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देश अब केवल तेल उपभोक्ता नहीं, बल्कि उसकी दिशा प्रभावित करने वाले बड़े आयातक हैं। उनकी मांग, रिफाइनिंग क्षमता और दीर्घकालिक अनुबंध तेल उत्पादक देशों की रणनीति को प्रभावित करते हैं। यदि यूएई अधिक लचीला और भरोसेमंद आपूर्तिकर्ता बनता है, तो एशियाई देशों की आपूर्ति सुरक्षा मजबूत हो सकती है और ऊर्जा कीमतों से जुड़ा आर्थिक दबाव कुछ कम हो सकता है। अमेरिका ऐसी व्यवस्था को सकारात्मक मान सकता है, जिसमें तेल बाजार पर कुछ सीमित उत्पादकों का प्रभाव कम हो। रूस के लिए यह बदलाव मिश्रित है। जहां एक तरफ ओपेक प्लस ने उसे औपचारिक सदस्यता के बिना तेल समन्वय में भूमिका दी, वहीं दूसरी तरफ ओपेक के कम प्रभाव होने से उसका लाभ होना भी सुनिश्चित है। सऊदी अरब के लिए यूएई का नियंत्रण चुनौती है, लेकिन इसे क्षेत्रीय एकराव का नाम देना सही नहीं होगा। सऊदी अरब अपने तेल भंडार और उत्पादन क्षमता के कारण हमेशा महत्वपूर्ण बना रहेगा। यूएई का कदम इस तरफ इशारा करता है कि खाड़ी की ऊर्जा राजनीति अब अधिक विविध हो रही है। अब खाड़ी देश अपनी-अपनी ऊर्जा प्रार्थमिकताओं के अनुसार अलग रास्ते अपना सकते हैं। चूंकि कई देश अब भी ओपेक को उपयोगी मानते हैं, इसलिए बड़े पैमाने पर सदस्य देशों के बाहर निकलने की संभावना कम है। फिर भी यूएई का कदम दिखाता है कि ओपेक पहले की तरह सभी सदस्यों को एक समान उत्पादन नीति में बांधकर नहीं रख पाएगा। ईरान के संदर्भ में भी संतुलन जरूरी है। उसके पास बड़े ऊर्जा संसाधन हैं, पर प्रतिबंधों और निवेश की कमी ने उसकी क्षमता सीमित कर दी है। ओपेक कमजोर होना तो ईरान और खाड़ी देशों के बीच संवाद का एक मंच कमजोर पड़ सकता है।

ANALYSIS



डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत सरकार ने अंतरिक्ष से जुड़े विषयों को वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं तक सीमित न रखते हुए इसे विश्वविद्यालयों और कॉलेजों तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है। पहले चरण में साथ अंतरिक्ष प्रयोगशालाओं की स्थापना की योजना बनाई गई है, जहां छात्र उपग्रह प्रणाली, रॉकेटरी और मिशन डिजाइन का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करेंगे। यह पहल भारत के अंतरिक्ष भविष्य की नींव को मजबूत करेगी। छात्र अपने कॉलेज परिसर में ही उपग्रह डिजाइन करेंगे या मिशन लानिग सीखेंगे, तब वे भविष्य के मिशनों का निर्माण भी करेंगे। इस संदर्भ में अंतरिक्ष आयोग के अध्यक्ष डॉ. पवन गोयन्का ने भारत के अंतरिक्ष सुधारों की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए बताया भी है कि कैसे निजी क्षेत्र अब मूल्य श्रृंखला के हर हिस्से में सक्रिय भूमिका निभा रहा है और भारत का निजी अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र पिछले कुछ वर्षों में आश्चर्यजनक गति से विकसित हुआ है। 2019 में जहां अंतरिक्ष स्टार्टअप की संख्या एकल अंक में थी, वहीं 2026 की शुरुआत तक यह संख्या 400 से अधिक हो चुकी है। ये स्टार्टअप प्रक्षेपण यान, उपग्रह निर्माण, पेलोड डेवेलपमेंट, ग्राउंड इंफ्रास्ट्रक्चर और डेटा सेवाओं जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सक्रिय हैं।

जब भी मानव सभ्यता ने आसमान की ओर देखा है, उसने सितारों के साथ अपने जीवन के लिए संभावनाओं के अन्तर्निहित विस्तार को देखा है। आज उसी विस्तार में भारत अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रहा है। कभी सीमित संसाधनों के साथ शुरुआत करने वाला भारत वर्तमान में वह देश है, जो वैश्विक अंतरिक्ष मानचित्र पर भरोसा का पयात्र बन चुका है। यह भरोसा सफल प्रक्षेपणों, वैज्ञानिक उपलब्धियों का परिणाम तो है ही, साथ ही एक व्यापक दृष्टि, नीति-सुधारों, निजी भागीदारी और युवा प्रतिभाओं के संगम से निर्मित हुआ है। कैदीरा राज्या मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह का यह वक्तव्य इस दिशा में भारत की प्रतिबद्धता को और स्पष्ट करता है। उन्होंने बताया है कि कैसे भारत में निजी क्षेत्र का अंतरिक्ष निवेश पिछले पाँच वर्षों में 600 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो चुका है। यह आँकड़ा वास्तव में कोई साधारण या सामान्य नहीं है, जिसमें देश की आर्थिक वृद्धि के तमाम अवसर समाहित हैं। अब भारत सरकार ने अंतरिक्ष से जुड़े विषयों को वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं तक सीमित न रखते हुए इसे विश्वविद्यालयों और कॉलेजों तक पहुँचाने का लक्ष्य पथ किया है। पहले चरण में सात अंतरिक्ष प्रयोगशालाओं की स्थापना की योजना बनाई गई है, जहाँ छात्र उपग्रह प्रणाली, रॉकेटरी और मिशन डिजाइन का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करेंगे। यह पहल भारत के अंतरिक्ष भविष्य की नींव को मजबूत करेगी। जब छात्र अपने कॉलेज परिसर में ही उपग्रह डिजाइन करेंगे या मिशन प्लानिंग सीखेंगे, तब वे भविष्य के मिशनों का निर्माण भी करेंगे। इस संदर्भ में अंतरिक्ष आयोग के अध्यक्ष डॉ. पवन गोयनका ने भारत के अन्तर्निहित सुधारों की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए बताया है कि कैसे निजी क्षेत्र अब मूल्य श्रृंखला के हर हिस्से में सक्रिय भूमिका निभा रहा है और भारत का निजी अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र पिछले कुछ वर्षों में अश्चर्यजनक गति से विकसित हुआ है। 2019 में जहाँ अंतरिक्ष स्टार्टअप्स की संख्या एकल अंक में थी, वहीं 2026 की शुरुआत तक यह संख्या 400 से अधिक हो चुकी है। ये स्टार्टअप्स प्रक्षेपण यान, उपग्रह निर्माण, पेलोड



का अनुदान को प्रमुखता से बताया जा सकता है। इन योजनाओं का उद्देश्य वित्तीय सहायता के साथ विचारों को वास्तविक उत्पादों में बदलना है। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी अच्छा विचार संसाधनों की कमी के कारण पीछे न रह जाय। वस्तुतः इससे जुड़ा एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि अंतरिक्ष क्षेत्र में सफलता अकेली तकनीक आधारित नहीं होती है, इसके लिए उच्च स्तर का मानव प्रशिक्षण अति आवश्यक है। अच्छा यह है कि पिछले कुछ सालों में इस दिशा में भारत ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। गहाराई से विचार करें तो अब तक 17 विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरे किए जा चुके हैं, जिसमें लगभग 900 प्रतिभागियों को उपहार निर्माण, प्रक्षेपण प्रणाली और अंतरिक्ष साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में प्रमाणित किया गया है।

यह पहल आज स्पष्ट कर रही है कि भारत अपने मिशन लॉन्च तो कर ही रहा है, साथ में एक संपूर्ण अंतरिक्ष इकोसिस्टम तैयार कर रहा है। यही कारण है जो भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम अब वैश्विक सहयोग का केंद्र बन चुका है। वर्तमान में भारत की साझेदारी 45 से अधिक देशों तक फैल चुकी है। जैसा कि हमने देखा भी कि हाल के वर्षों में सिंगापुर और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के साथ समझौते, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारतीय कंपनियों की सक्रिय भागीदारी और घरेलू स्टार्टअप्स को वैश्विक बाजारों से जोड़ने की पहल इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। भारत की अंतरिक्ष सफलता की कहानी में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की भूमिका केंद्रीय रही है। चंद्रयान, मंगलयान और सैकड़ों सफल उपग्रह प्रक्षेपणों ने भारत को एक विश्वसनीय अंतरिक्ष शक्ति के रूप में स्थापित किया है। डॉ. विक्रम साराभाई का यह दृष्टिकोण आज भी प्रासंगिक है कि हम अंतरिक्ष तकनीक को सिर्फ प्रगति के लिए नहीं पाना चाहते हैं, भारत का उद्देश्य पूरी तरह से स्पष्ट और सार्वजनिक है कि समाज के विकास के लिए हमें अंतरिक्ष तकनीक का उपयोग करते रहना हैं। आज हम देखते भी हैं कि भारत के वैज्ञानिकों एवं केंद्र सरकार ने इसी सोच के साथ अंतरिक्ष को शिक्षा, कृषि, मौसम पूर्वानुमान, आपदा प्रबंधन और संचार जैसे क्षेत्रों में उपयोग किया है। इसके साथ एक बात यह भी दिखाई देती है कि वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का आकार 500 बिलियन डॉलर से अधिक है, भारत का लक्ष्य इसमें अपनी हिस्सेदारी को तेजी से बढ़ाना है। फिलहाल देखने में आ रहा है कि निजी निवेश और स्टार्टअप्स इस लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यही कारण है, जो अंतरिक्ष तकनीक अब राष्ट्रीय सुरक्षा, डिजिटल कनेक्टिविटी और डेटा इकोनॉमी का भी आधार बन चुकी हैं। ऐसे में कहना यही है कि भारत की अंतरिक्ष यात्रा विश्ववास, दृष्टि और सामूहिक प्रयास का ही आज सुखद परिणाम के रूप में हमारे सामने है। निश्चित ही जब विश्व भारत की ओर देखा है, तब अच्छा लगता है कि एक भरोसेदार साझेदार, एक नवाचारी शक्ति और एक प्रेरणास्रोत के रूप में भारत हमें दिखाई देता है।

आजीविका का संकट बढ़ाएगी भीषण गर्मी

एक हालिया आकलन के अनुसार दुनिया के सभी सबसे गम शहरों में से 98 भारत में हैं। भीषण गर्मी और साहसिक तमाम मुश्किलें लाती हैं। ये मुश्किलें उस तबके के लिए और विकराल बन जाती हैं, जिन्हें आजीविका के लिए खुले असमान के नीचे काम करना पड़ता है। स्वाभाविक है कि उनके समक्ष आजीविका का संकट पैदा होता है, क्योंकि उनके लिए किसी जाने वाले उपाय पर्याप्त नहीं होते। इससे न केवल श्रमिकों, बल्कि देश की उत्पादकता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। कई शोध भी इससे असंकेत करते हैं। इस समस्या का समाधान तलाशने की दिशा में इनके निष्कर्षों पर विचार किया जाना चाहिए। इसमें पहला पैमाना शारीरिक परेशानों से जुड़ा है। श्रमिकों के संस्थान की विद्या वेणुगोपाल, पीके लता और रेखा पण्णुम का 2020 से संघटित एक अध्ययन 'माइंटिफिक रिपोर्ट्स' में प्रकाशित हुआ है। इसमें तमिलनाडु के 11 जिलों के उस 1560 श्रमिकों की गतिविधियों पर दो वर्ष तक नज़र

रखी गईं, जिन्हें कामकाज के लिए बाहर निकलना पड़ता था। अध्ययन में सामने आया कि गर्मियों के दौरान औसत तापमान 29.9 डिग्री सेल्सियस था, जो 27.5 डिग्री सेल्सियस की अधिकतम बढ़ावत योग्य सीमा से भी ऊपर था। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार तापमान को इस सीमा से ऊपर निरंतर भारी काम करना असुरक्षित माना जाता है। पर्यवेक्षण समीक्षा के अधीन 88 प्रतिशत श्रमिकों को इस उच्च तापीय परिस्थितियों में काम करना पड़ा। इनमें से 61 प्रतिशत को कड़ा उत्पादकता में गिरावट दर्ज की गई। श्रमिक गर्मी के संपर्क में आने वाले भीषण की उत्पादकता में गिरावट की आशंका भी डेढ़ गुना अधिक थी। इनमें 15 प्रतिशत कर्मियों के समक्ष रोजगार छिने का संकेत भी मंडराया, जबकि सर्दियों में उनका प्रतिशत 9.3 ही रहा। दूसरा पहलु वृहद आर्थिक स्तर से जुड़ा है। जर्नल ऑफ पोलिटिकल इकोनॉमी में 'सोमानायन और उनकी टीम का 'उत्पादकता और श्रम आघात पर तापमान के प्रभाव' शीर्षक से एक

भाषा प्रकाशित हुआ था। इसमें सूरज
 के बुनकरों, ऐसी-आर और
 हैदराबाद की गारमेंट-सिलाई लाइनें
 और बिलाई मिल में स्थली श्रमिकों
 की परिस्थितियों का विश्लेषण किया
 गया। इसका निष्कर्ष यह था कि
 तत्कालीन प्रति डिग्री सेल्सियस की
 वृद्धि होने पर वार्षिक केन्द्री उत्पादन
 में लगभग दो प्रतिशत की गिरावट
 आई। हालांकि यह डेटा 2012 तक
 का ही है, पर इसके निष्कर्षों का
 निहितार्थ यह है कि गर्मियों का असर
 पूंजी या कच्चे माल से अधिक अलग
 उत्पादकता पर कहीं गहरा पड़ता है।
 स्पष्ट है कामकाजी स्थल के भीतर
 एयर कंडीशनिंग उत्पादकता में
 गिरावट को तो थाम सकता है, पर
 उपस्थिति को नहीं। ऐसा इसलिए
 क्योंकि ऐसी वाले कार्यस्थल से
 निकलकर श्रमिकों को आम तौर पर
 उन्हीं आवासों में जाना पड़ता है।
 जहाँ ऐसी सुविधा नहीं होती और
 जहाँ अमूमन 45 डिग्री को पार कर
 जाता है। गर्मी का तीसरा पहलू
 मानवीय संवेदनाओं से जुड़ा है।
 इंडिया डेवलपमेंट रिव्यू में 2024
 और 2025 के दौरान सामने आये

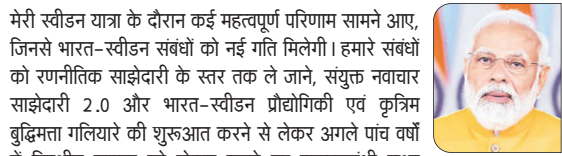
के सीमापुर में रहेड़ी लगाने वाली 60 प्रतिशत महिलाओं की संख्या गमियों में अधिक थी। जिन दिनों खराब हादसों की जाती थीं, जबकि सामान्य दिनों में वे दो-तीन चलती थीं। दिल्ली में 11 नवंबर 19 जून 2024 को हीरेवेव में 192 बेघर लोगों की मौत हो गई थी। कलैंडर काउंटडाउन आन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज की अक्टूबर 2023 की रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि भारत ने 2024 में भीषण गर्मी को चलते 247 अरब कामकाजी घंटों का नुकसान झेला, जो 1990 के दशक के औसत की तुलना में 124 प्रतिशत अधिक रहा। कृषि क्षेत्र को इसका दो तिहाई और कंस्ट्रक्शन उद्योग को 20 प्रतिशत नुकसान उठाना पड़ा। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार भीषण गर्मियों के चलते 2030 तक उत्पादकता पर होने वाला आघात आठ करोड़ पूर्णकालिक नौकरियों के बराबर होगा। इसकी सर्वाधिक तपिश कृषि और कंस्ट्रक्शन जैसे क्षेत्रों को झेलना पड़ेगी। भारत के लिए यह औसत हानिकारक है, क्योंकि कामकाजी आबादी का एक बहुत बड़ा हिस्सा

इन्हीं क्षेत्रों में है, जहाँ सीधे गर्मी के संपर्क में ही काम करना पड़ता है। भारत में श्रमबल का करीब 90 प्रतिशत हिस्सा असंगठित क्षेत्र में है और दस प्रतिशत से कम घरों में है। ऐसी की सुविधा उपलब्ध है। बर्दत गर्मियों के चलते रोजगार पर संकट की समस्या का समझना में समाधान आवश्यक हो गया है। हमारे यहाँ का स्थानों पर दोपहर 12 बजे से तीन बजे तक काम पर पूरी तरह विराम लाना का प्रविधान है, जिसे बदल जाना चाहिए। इसके बावजूद व्यवस्था तय की जाए, जिससे संस्था कार्यस्थल पर परिस्थितियों के अनुरूप काम को रोका या आरंभ किया जा सके। मौसमी परिस्थितियों के के अनुरूप ही काम का पालियों के समय निर्धारण की लचीली व्यवस्थ अस्तित्व में आए। सिंगपुर और यूरूप में इसी प्रकार का नियम प्रचाली है। दूसरा एक उपाय यह हो सकता है कि पूर्ण निर्धारित मानकों पर आधारित व्यवस्था के जरिये असंगठित क्षेत्र के कमियों को भी सुरक्षा आवरण प्रदान किया जाए। गुजरात में सक्रिय संस्था स्व-रोजगार महिला संघ (सेवा) के

प्रायोगिक परियोजना इस दिशा में उपयोगी हो सकती है। उद्योग जगत के लिए भी किसी अनिश्चित देनदास को को तुलना में एक छोटा और पूर्व-निर्धारित प्रीमियम चुकाना करना अधिक आसान और व्यावहारिक होगा। तीसरा उपाय 'कूल राफ्ट' यानी 'उंडो छूटों को आवस' और औद्योगिक सहिताओं के एक अनिवार्य हिस्से के रूप में शामिल करने से जुड़ा है। अहमदाबाद का पहला ने सा 50 रुपये प्रति वन फुट को लागत पर ताम्रान को पांच डिग्रि सेल्सियस तक किया है। पीएनए आवस योजना इस लागत का बोझ उठा सकती है। कारोबारी समाजिक उत्तरदायित्व यानी सीएसआर का भी इसमें सहयोग लिया जा सकता है। केन्द्रीय बजट में गमियों के लिए तैयारी से जुड़े उपायों को भी चिन्हांकित कर उन्हें प्राथमिकता दी जाए, जिससे जेंडर बजट और सतत विकास लक्ष्यों के विषय में किया जाने लगा है। गमियां जिस तरह श्रमिकों के हितों पर आघात करती जा रही हैं उससे उनकी सुरक्षा के हासंभव उपाय करने भी होंगे।

Social Media Corner

सच के हक में...



स्वीडन सरकार और प्रधानमंत्री उत्प क्रिस्टर्स-
धन्यवाद देता हूँ।
(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)



केरलम की जनता ने इस सरकार के लिए संघर्ष किया। उनकी आवाज ही सरकार का मार्गदर्शन करेगी। वी.डी. सतीशान जी और संपूर्ण मिनिमंडल को हार्दिक धन्यवाद, जो अब हर केरलवासी की आवाज का प्रतिनिधित्व करेगा, के.सी. वेणुगोपाल जी को धन्यवाद, जिन्होंने इस अभियान का नेतृत्व अग्रिम पंक्ति से किया। यह जीत यूडीएफ के हर कार्यकर्ता और डिजिटल योद्धा की है, जिन्होंने इस अभियान के दौरान अथक बलिदान दिया। अब काम शुरू होता है।



रांची के प्रोजेक्ट भवन में आयोजित इंटर और स्नातक प्रशिक्षित सहायक आचार्यों के नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में शामिल हुआ। इस ऐतिहासिक अवसर पर आप सभी अभ्यर्थियों और उनके परिवारजनों को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार।
(हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

‘Ghadari Babian da Munshi’ Malwinder Jit Singh Waraich, the custodian of memory

What he always called himself was perhaps the most accurate description of his life’s work: “Ghadari Babian da Munshi” — the clerk of the old Ghadarites. There was humility in the phrase, but also an entire philosophy. He never claimed to be a historian in the institutional sense, nor a public intellectual seeking recognition. He saw himself simply as a custodian of memory, preserving papers, photographs, testimonies, proceedings, and scattered fragments of a revolutionary past often neglected in Independent India.

For more than three decades, I worked with him, learned from him, and slowly understood what a life of commitment without noise or self-advertisement truly meant. With his passing, I have lost not merely a friend, mentor, and guide, but a living archive of an entire tradition of revolutionary remembrance.

Malwinder Jit Singh Waraich belonged to that rare generation that still had direct access to the fading world of the Ghadarites and revolutionaries of the early 20th century. Beginning in the 1960s, while teaching at Guru Nanak Engineering College, Ludhiana, he travelled through villages on his bicycle, meeting old Ghadarites, recording memories, collecting photographs, preserving letters, and documenting whatever survived in trunks, cupboards, and fading family recollections.He possessed qualities indispensable for archival work but rarely celebrated publicly: patience, discipline, orderliness, and trustworthiness. He catalogued and indexed material with astonishing care. Yet what distinguished him equally was his generosity. He never treated documents as private possessions or instruments of prestige. Anyone who approached him sincerely for research found his doors open.

His association with the family of Bhagat Singh and with figures connected to the revolutionary movement deepened over time. Through the martyr’s nephew Jagmohan Singh and others, he came into close contact with the surviving memory-world of the Lahore Conspiracy Case generation. He remained connected with revolutionaries and family members, including Shiv Verma and Kishori Lal.

My association with him began around 2002, when he, along with Prof Kuldeep Puri, came to my office carrying a manuscript based on papers collected by Giani Kesar Singh of Canada. He was uncertain whether the material could become a meaningful book. The manuscript eventually became a volume on the trial of Madan Lal Dhingra, published in 2003, but more importantly, it began a collaboration that profoundly shaped my own intellectual life.Before meeting him, my interest in revolutionary history was largely that of an enthusiastic reader and collector. With him, it became disciplined work, almost a mission. He possessed the material, the instinct for preservation, and the patience to pursue obscure leads for years. I perhaps brought editorial organisation, and a different kind of analytical restlessness.Some of our most significant work emerged from this collaboration: the publication of the Lahore Conspiracy Case Tribunal judgment; volumes on the Ghadar Movement, the Babbar Akalis, and the Komagata Maru episode; records of proscribed literature: memoirs and biographies of revolutionaries; and perhaps most remarkably, the recovery and publication of proceedings of the Bhagat Singh Tribunal carrying Sukhdev’s handwritten remarks.foundations rather than mythology.reconstruction.

It is Time to Align the Mandate With the Leader

VD Satheesan, Ramesh Chennithala, and KC Venugopal have engaged in a permanent, circular struggle for the throne

Another set of elections and another theatre of absurdity is unfolding in different parts of our great democratic country. The performance in this farce is nothing short of spectacular. A total disregard for people’s mandate, shameless clinging to power, trading that would shame horses, and totally amoral acts for power are what it has unveiled, but it hasn’t got us to raise anything more than a yawn. It is business as usual in the circus of our politics. Across state capitals, the mandate of the voter is treated as a minor administrative detail to be bypassed, bartered, or explicitly violated.

Nowhere is this truer than in Kerala. The Congress-led United Democratic Front secured a thumping majority of 102 seats, riding an anti-incumbency wave. Throughout the campaign, VD Satheesan was projected as the leader of the charge. He had even declared that he would go into political exile if the UDF lost. It seems, despite the victory, political wilderness is his fate. The moment the victory was secured, the democratic process morphed into a classic backroom brawl. Satheesan, Ramesh Chennithala, and KC Venugopal have engaged in a permanent, circular struggle for the throne.

The speculation mills in Thiruvananthapuram and Delhi are working overtime, with leaked reports alternatively claiming that the newly elected MLAs favour Venugopal—who did not even contest the Assembly elections—or that the public sentiment is firmly behind Satheesan. Adding to this paralysis is the veteran Chennithala, the senior-most among all Congress leaders sans AK Antony. When Chennithala stepped aside from the post of Leader of the Opposition in 2021 to make way for Satheesan, it was widely understood within party corridors that he had been promised the Chief Ministerial candidacy for this very election. Now, with the prize in sight, those promises appear as fleeting as election manifestos.The entire state is held hostage, waiting for a sealed envelope to descend from the Congress high command in New Delhi. It is an extraordinary setup: the sovereign will of the people is reduced to an advisory note of a family, sitting in an air-conditioned room thousands of miles away. It is like a distant emperor of Delhi bestowing a regional governorship in the medieval era. The Congress has run this bait-and-switch routine with practised ease in Karnataka, Rajasthan, and Madhya Pradesh—using popular local faces to harvest votes, only to install high-command loyalists once the ballot boxes are sealed.

If Kerala represents the paralysis of victory, Tamil Nadu offers a masterclass in ideological bankruptcy. The charismatic actor Vijay, armed with massive box-office appeal but absolute zero administrative or political

experience, secured 108 seats with his newly minted party. Lacking the numbers to cross the majority mark, he needed allies.

What followed was a breathtaking display of political gymnastics. Parties like the Congress, the CPI(M), and the Indian Union Muslim League (IUML)—who had spent the entire campaign operating inside the DMK-led alliance, warning voters about the grave dangers of Vijay’s political inexperience—instantly suffered from collective amnesia. They abandoned their alliance, performed a flawless backflip, and marched into Vijay’s tent. The hypocrisy is staggering. For these parties, secularism, ideology, and manifestos are merely decorative wrappers; the moment a Cabinet berth is



dangled, the wrapper is discarded, proving that their only true guiding principle is the pursuit of power at any cost.Meanwhile, West Bengal pushed the boundaries of constitutional absurdity. Following a decisive election in which the Opposition secured a clear majority, the outgoing Chief Minister, Mamata Banerjee, simply refused to accept the results. In an unprecedented standoff, she refused to submit her resignation, forcing Governor RN Ravi to step in and utilise his constitutional powers to dissolve the Assembly just as its term expired.But the ideological transition of Bengal’s leadership carries its own heavy baggage. The newly installed Chief Minister, Suvendu Adhikari, is the same leader who, in a highly publicised outburst, explicitly called for halting the national slogan “Sabka Saath, Sabka Vikas.” He went on record to demand the

Waterlogged woes: Neglect of drainage infra ruining Nuh farms

Ignoring waterlogging will endanger both livelihoods and food security

THE plight of farmers in Haryana’s Nuh district, where over 5,000 acres of farmland have remained submerged for years, is not an isolated tragedy. It is part of a much larger ecological and governance crisis steadily spreading across the state. From Rohtak and Jhajjar to Hisar, Sirsa and Fatehabad, thousands of acres of agricultural land are battling chronic waterlogging and rising soil salinity, turning once-fertile fields into barren “sem” zones. The roots of the crisis lie in decades of flawed water management. Excessive dependence on water-intensive paddy cultivation, seepage from unlined canals, over-irrigation and poor drainage infrastructure have steadily raised groundwater levels across Haryana’s flat plains. Monsoon rainfall merely exposes these underlying structural failures. Experts have repeatedly warned that without scientific drainage systems and groundwater regulation, large parts of the state risk long-term ecological degradation.For farmers, the



consequences are devastating. Fields remain uncultivable for successive seasons, crop losses pile up, debts rise and families dependent entirely on

dissolution of the party’s minority wing, replacing the inclusive prime ministerial slogan with a stark, transactional decree: “Jo hamare saath, hum unke saath” (Those who are with us, we are with them).

Though made prior to his elevation, these remarks sit in direct, jarring conflict with the solemn constitutional oath he took on May 9. Under the Third Schedule of the Constitution, a Chief Minister swears to “do right to all manner of people in accordance with the Constitution and the law, without fear or favour, affection or ill-will.” How does a leader who has publicly championed governing only for those who align with him square that sectarian philosophy with an oath that demands absolute, impartial duty to every single citizen, regardless of how they voted?This glaring contradiction highlights a systemic vacuum. If the system allows a leader to ascend to the highest executive office of a state with a documented public track record of rejecting universal governance, then the oath itself risks being reduced to empty theatre. There must be strict, enforceable measures to ensure that no elected leader can make a mockery of their constitutional pledge. The judiciary must hold the power to immediately monitor, censure, or even suspend any executive head who acts or governs in direct violation of their oath of impartial service. If a corporate executive can be ousted for violating their fiduciary duty to the stakeholders, a chief minister who compromises their constitutional duty to any section of the citizenry must face swift, systemic consequences.The systemic decay across these states makes a compelling case for moving away from the Westminster model and adopting a direct presidential or gubernatorial election at the state level.Under a direct election model, the voter’s choice is absolute and unalterable. There is no room for a high command to swap the candidate after the election. There is no opportunity for opportunistic entities to trade their alliance partners overnight for a piece of the ministerial pie. A directly elected leader would have a clear mandate, a fixed term, and the ability to appoint a Cabinet of actual administrative experts rather than incompetent MLAs who must be appeased to prevent a government collapse. The elected head of the government would have time to govern rather than herding a group of amoral elected representatives, keeping them together by offering whatever they can squeeze from the minority governments, who vanish to private resorts and topple governments at will and for a price.

agriculture are pushed towards desperation. Many cultivators are now forced to buy foodgrains despite owning land. Yet the official response remains painfully slow and fragmented. The contrast between urban and rural priorities is striking. Urban flooding in cities such as Gurugram quickly attracts emergency interventions and infrastructure spending, while submerged villages continue to wait for compensation and basic drainage solutions. Temporary measures like shallow tubewells may offer limited relief, but they cannot substitute for comprehensive planning.

Haryana urgently needs a long-term strategy involving canal lining, sub-surface drainage, crop diversification, groundwater monitoring and climate-resilient rural infrastructure. Waterlogging is a warning about the unsustainable model of development imposed on the state’s ecology. Ignoring it further will endanger both livelihoods and food security.

Guy Gibson and the night of the ‘Dam Busters’

Born in Shimla and raised in Britain, the RAF officer led the daring attack on Nazi Germany

Exactly 83 years back, on the night of May 16-17, 1943, a legendary exploit of World War II (1939–1945) took place. This was the night of the ‘Dam Busters Raid’ when two critical dams of Germany, the Mohne and Eder, were bombed and breached. Nazi Germany’s powerful military machine was fed by propaganda and racial arrogance — it epitomised what the historian and philosopher Hannah Arendt called “the banality of evil”.The Nazi political system was backed by a formidable industrial base. In turn, this industrial base relied substantially on the water, electric power and transportation provided by the hydro dams that fed Germany’s industrial heartland in the Ruhr valley.

Codenamed ‘Upkeep’, in a technique similar to that of skimming a stone over water (something that most of us have tried as children), in 1942, a bomb had been developed that could skip over protective nets and once it hit the walls of a dam, it would sink and detonate like a depth charge, causing maximum damage. In early 1943, the 617 Squadron of Britain’s Royal Air Force (RAF) had been formed with the specific purpose of destroying these dams. The squadron was led by its Commanding Officer, Guy Gibson — who became something of a legend.By the age of 26, Gibson had completed 170 airborne operations. He was awarded Britain’s highest military honour, the Victoria Cross, and in his time was one of the most highly decorated RAF officers. Gibson had joined the RAF in 1936, and by the age of 23, he held the rank of Wing Commander.That night, Gibson first did a dummy run over the Mohne Dam and stated that he ‘liked the look of it’. After a series of failed sorties, the dam was finally breached. Led by Gibson, the aircraft that still had their bombs flew towards the Edersee and just short of 2 am, the Eder Dam was also breached.Years back, a friend who retired as one of India’s seniormost Army officers somewhat rhetorically



asked me: “Do you know what is the first thing taught to a soldier?” As a somewhat ignorant civilian, I bumbled a bit, till he broke in and answered his own question: “It is — identify the target and destroy it.”Published in 1951, Paul Brickhill’s bestselling book, which went through several reprints, ‘The Dam Busters’, carried a Foreword by ‘Marshal of the RAF’ Lord Tedder. He wrote: “...scientist, commander and operator working together as a close-knit team... it shows efficiency interpreted in

the short term as ‘accuracy’, and in the long term as ‘maximum effect with minimum effort’.”The sources of this book may have been somewhat limited as at that time, many documents and details were not available or were still classified. While the impact these raids had on Germany’s war machine was meagre, the psychological impact was enormous and was a major morale booster for the Allied Forces.So why this story? And why here? There is a small village in Cornwall named Talland.

Perhaps, derived from this hamlet, Talland is the headquarters of Himachal’s Forest Department in Shimla — and this is where this extraordinary story began.Born at Talland, Shimla, on August 12, 1918, Guy Penrose Gibson was the son of Alexander James and Norah Gibson. His father was an officer of the Imperial Indian Forestry Service who was posted in Shimla and who, in 1922, became the Conservator of Forests for the Shimla Hill States. The parents separated when Guy was barely six and custody of Guy and his two siblings was given to his mother, who moved back to Britain.Unfortunately, on their return to Britain, Gibson’s mother began drinking heavily and subsequently, became an alcoholic. Almost needless to add, the childhood of the young Guy and his elder brother, Alexander, and sister, Joan, was unstable. The mother’s occasional violence towards the children also reared its soul-destroying head. Relatives pitched in with money and moral support, while their school also helped where it could. Almost nothing is known of the father after the separation.Guy Gibson was a mediocre student and from an early age, wanted to fly. After initially failing to join the short service commission on medical grounds — it is believed that the reason given was that his legs were too short — he was later accepted. Apart from the famous ‘Dam Busters Raid’, he also conducted daring single-handed attacks on the formidable German battleship, Tirpitz. Gibson was killed during a sortie in 1944.While it was disbanded periodically, the 617 Squadron is still part of the RAF. Its insignia in a roundel shows a dam being fractured by bolts of lightning and marks the moment when the dams were hit in 1943. The squadron’s motto is in French: ‘Après moi, le deluge’, and translates as: ‘After me, the flood.’

Sensex recovers to end 77 points up, Nifty above 23,600; IT stocks rally

New Delhi.(Agency)

Benchmark stock market indices recovered to close in green, rebounding over 900 points from the day's low as Dalal Street saw buying after early selloff. IT stocks were major gainers.

The S&P BSE Sensex added 77.05 points to end at 75,315.04, while the NSE Nifty50 gained 6.45 points to close at 23,649.95.

Vinod Nair, Head of Research, Geojit Investments Limited, said that the prolonged stalemate between the US and Iran continues to cast a shadow over near-term sentiment, yet the equity market managed to recover intraday losses and closed on a flat note, supported by value buying in IT and banking stocks."The ongoing earnings season has provided a constructive narrative, though caution persists as higher bond yields, elevated crude oil prices, and a weakening rupee reinforce inflationary concerns. Investors appear to be adopting a staggered allocation strategy rather than waiting for complete clarity, particularly in export-oriented sectors," he added.

After the closing bell, Tech Mahindra Ltd led the Sensex gainers, rising 4.97%. It was followed by Infosys Ltd, which gained 2.15%. Bharti Airtel Ltd moved up 1.74%, while Bajaj Finserv Ltd added 1.37%. HCL Technologies Ltd also ended higher, rising 1.24%.Tata Steel Ltd saw the sharpest fall, dropping 3.21%. Power Grid Corporation of India Ltd declined 2.89%, NTPC Ltd was down 2.46%, State Bank of India Ltd slipped 2.38%, and Maruti Suzuki India Ltd fell 1.64% at the close.

"A meaningful breakthrough in diplomatic negotiations with Iran—especially regarding uranium stockpiles and sanctions—remains critical for reducing volatility and enabling a decisive upward move in the market," said Nair.

Gold is financial armour, public appeals alone won't help: Experts on PM Modi's austerity call

HYDERABAD.(Agency)

Prime Minister Narendra Modi's recent appeal asking Indians to avoid excessive gold purchases has reopened a long-running debate about the country's dependence on imported bullion. The country's gold imports have surged sharply in recent years, with official estimates placing imports at nearly \$72 billion in FY2025–26.

While Modi's remarks were aimed at reducing pressure on the rupee, industry voices argue that India's relationship with gold runs far deeper than economics and cannot be changed through public appeals alone."Someone who has a marriage at home or wants to buy gold will buy it regardless," said a market expert, Rajesh Agarwal, familiar with the bullion trade. "If the PM says don't buy gold, people are not suddenly going to stop buying it. That's not realistic in India."Industry observers say the precious metal is not treated as a luxury purchase but as a form of financial security that can be relied upon during emergencies. "People see gold as financial armour," the expert remarked.Drop in jewellery sales even before PM's appealThe bullion market, meanwhile, was already facing weakness before the PM's comments. Traders say soaring prices, volatility and cautious consumer spending had already slowed jewellery demand this quarter. "Demand was already weak this quarter. However, the PM's remarks did not create a huge impact," the expert noted.

SpaceX IPO date and valuation: All you need to know about Elon Musk's blockbuster market debut

NEW DELHI.(Agency)

Elon Musk's SpaceX is aiming to list its shares on the Nasdaq as early as June 12, Reuters reported, in what could be the biggest stock market flotation of all time. The company is targeting a raise of about \$75 billion at a valuation of roughly \$1.75 trillion, a massive step up from the \$1.25 trillion combined valuation set when SpaceX merged with Musk's artificial intelligence startup xAI in February.

The listing is one of the most anticipated IPOs in years and is expected to headline a crowded IPO calendar that could also include AI heavyweights Anthropic and OpenAI, both of which are expected to tap public markets this year.

SpaceX IPO timeline and ticker

SpaceX has accelerated its IPO timeline, with the company now aiming to make its prospectus public within days, a roadshow launch targeted for June 4 and the share sale as early as June 11, Reuters reported. The company will trade under the ticker SPCX on the Nasdaq. The new timeline represents a faster-than-expected schedule, moving forward from an initial target of late June. A swift review of SpaceX's IPO paperwork by the US Securities and Exchange Commission was partially responsible for the accelerated timeline, sources told Reuters.

Why Nasdaq over NYSE

The listing marks a major victory for Nasdaq over its rival the New York Stock Exchange. It comes on the heels of Nasdaq's newly launched "fast entry" rules to speed up the inclusion of newly listed large-cap companies into its benchmark Nasdaq-100 index, a move designed to attract high-profile listings like SpaceX.

Banks backing the SpaceX IPO

Morgan Stanley, Bank of America, Citigroup, JPMorgan and Goldman Sachs are the lead bookrunners for the offering.

Sensex opens over 800 points lower, Nifty below 23,400; Tata Steel down 4%

New Delhi.(Agency)

Benchmark indices opened sharply lower on Monday morning, tracking weak global cues and broad-based selling across sectors, with financials, IT and metal stocks dragging the market lower in early trade.

The 30-share Sensex fell 807.71 points, or 1.07%, to 74,430.28, while the Nifty 50 slipped 249.75 points, or 1.06%, to 23,393.75 as of 9:18 am. The sharp decline came amid mounting concerns over surging crude oil prices after Brent crude climbed to \$111 per barrel, intensifying fears of imported inflation for India, which relies heavily on crude imports. Higher oil prices are expected to increase pressure on the country's trade deficit, weaken the rupee further and raise concerns over fuel price hikes in the domestic market. The Indian rupee also weakened sharply, slipping below the 96

mark against the US dollar, adding to worries over imported inflation and sustained foreign fund outflows.

Market participants also remained cautious as rising US Treasury yields continued to weigh on emerging markets. The US 10-year bond yield climbed to 4.62%, reducing the appeal of riskier assets and prompting continued foreign portfolio investor outflows from Indian equities.

Selling pressure was visible across nearly all major sectors in early trade. Banking, IT, auto and metal stocks were among the worst hit, while broader market sentiment also remained weak with midcap and smallcap indices trading lower alongside the benchmarks.

Dr. VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist at Geojit Investments Limited, said global cues are likely to keep



domestic markets under pressure in the near term. "Brent crude has spiked to \$111 on absence of initiatives to open the Strait of Hormuz. Elevated crude may force

another round of price hikes in petrol and diesel, which will have negative implications for inflation. The spike in US 10-year bond yield to 4.62% is another negative factor for emerging market equity markets," he said. He added that

further depreciation in the rupee could aggravate the cycle of currency weakness and FPI selling, although policy measures to stabilise the rupee may be announced soon. According to Vijayakumar, export-oriented sectors such as pharmaceuticals could continue to outperform amid the volatility due to their defensive nature and dollar revenue exposure.

He also noted that leading private sector banks remain fundamentally strong despite near-term pressure from foreign investor selling, making them attractive for long-term accumulation during market corrections.

Analysts said investors will continue to closely monitor developments in global crude markets, movement in bond yields and currency trends, as elevated energy prices could complicate the inflation outlook and reduce the possibility of aggressive monetary easing going forward.

Liberty Mutual increases stake in Liberty General Insurance to 74%

New Delhi.(Agency)

US-based Liberty Mutual Insurance on Monday said that it has increased its shareholding in Liberty General Insurance Limited (LGI) to 74 per cent. This development follows its earlier stake increase in Liberty Mutual's stake from 49 per cent to 55.40 per cent in September 2025.

Liberty General Insurance is a joint venture between Summit Asia Investments Holdings Pte. Ltd., a group company of Liberty Mutual Insurance Group and Enam Securities. As of December 2025, Liberty Mutual Insurance had nearly 55.4 per cent stake, Enam Securities had 26 per cent and DP Jindal owned Diamond Dealtrade had 18.6 per cent stake.

Commenting on this development, Matthew Jackson, President, Liberty International Insurance APAC, said: "India remains an important market for Liberty Mutual as we build our

business across Asia Pacific, supported by strong fundamentals and significant opportunity for growth. Increasing our shareholding in Liberty General Insurance allows us to further develop the business and bring our



insurance sector, with more focus on non-life insurance. The general insurer commenced operations in 2013 as a joint venture between Liberty Mutual Insurance and the Videocon Group - Liberty Videocon General Insurance.

However, in March 2018, owing to financial difficulties, Videocon exited the venture by selling its entire stake to the DP Jindal Group and Enam Securities. It was set up with the aim of providing comprehensive retail, commercial and industrial insurance solutions. The company has an employee strength of over 1,300 and a presence across 95+ locations in 28 states and Union Territories. Its partner network includes over 6,500 hospitals and more than 6,100 auto service centres.

How India's richest are investing differently, and what you can learn from it

New Delhi.(Agency)

If you track where serious money is moving in India, you will notice something quietly happening over the last two years. Families managing serious wealth — we are talking Rs 10 crore and above — are no longer as excited about mutual funds as they once were. They are not rushing into real estate either. Instead, they are moving into AIFs. And not just any AIFs — specifically, SME-focused ones. The question worth asking is: why? THE MUTUAL FUND CEILING IS REAL Mutual funds have done a lot of good for Indian investors. They brought discipline, SIPs, and diversification to millions of people who had no other structured entry into equities. But they come with a ceiling built right into their design. Sebi's

diversification rules mean a mutual fund manager cannot put 20% of the corpus into one high-conviction bet. They cannot go deep into a micro-cap company with a Rs 200 crore market cap, even if the business is exceptional. The mandate forces breadth, and breadth often comes at the cost of depth. This is fine for most investors. But for someone who genuinely understands markets and wants to capture the full growth potential of India's next decade, mutual funds can start to feel like a speed limiter. WHERE DO AIFs COME IN? Alternative Investment Funds are structured differently. Category I and Category III AIFs, in particular, allow fund managers to run concentrated portfolios with fewer stocks, higher conviction, and deeper research. They

are not open to everyone. The minimum ticket size is Rs 1 crore, which naturally limits the investor base to those who can take on a longer horizon and higher risk. But that exclusivity is partly the point. When a fund is not chasing millions of retail investors, the manager can often think with a longer-term, sharper focus. THE SME OPPORTUNITY MOST INVESTORS ARE STILL SLEEPING ON Here is where it gets interesting. India has over 5,000 companies listed on the BSE SME and NSE Emerge platforms. Most of them receive little to no analyst coverage. Large institutional funds often cannot buy them because the market capitalisation is too small or liquidity too thin. Retail investors, meanwhile, often do not even know they exist..



potential military options against Iran during upcoming discussions.

Rupee's record slide has intensified worries over India's macroeconomic outlook, particularly as a larger-than-expected trade deficit and muted capital inflows leave the economy more exposed to external shocks.

"The ongoing geopolitical uncertainty and energy-driven macro pressures continued to fuel strong dollar demand globally, pushing the rupee beyond the Rs 96 mark," said Ponnudi R, CEO of Enrich Money. He added that the currency weakness has raised investor anxiety over "India's rising import bill, worsening inflation trajectory, and potential slowdown in economic growth at a time when the macroeconomic environment is already under severe strain."

Will petrol and diesel prices rise again after Russian oil waiver ends?

India may face fresh pressure on petrol and diesel prices after the US let a waiver on Russian oil purchases expire. With crude above USD 100 and West Asia tensions high, refiners and consumers could come under added strain.

New Delhi.(Agency)

Petrol and diesel prices in India were increased for the first time in nearly four years on May 15. Now, concerns are growing that fuel prices may come under even more pressure after the US allowed a key sanctions waiver on Russian oil purchases to expire. The development comes at a time when global crude oil prices are already rising sharply because of the ongoing West

Asia conflict and fears of supply disruptions around the Strait of Hormuz, one of the world's most important oil shipping routes.

RUSSIA OIL WAIVER ENDS AT A CRUCIAL TIME

On Saturday, the Trump administration allowed a sanctions waiver on Russian seaborne oil to lapse after a month-long extension. The waiver had earlier allowed countries including India to continue buying Russian crude cargoes without facing immediate sanctions-related risks.

The timing is critical for India because the country has increasingly relied on discounted Russian crude over the past two years to protect itself from rising global oil prices.

According to reports, India's imports of Russian crude had climbed sharply in recent months. One report estimated imports at nearly 2.3 million barrels per



day in May, while another placed imports at around 1.88 million barrels per day as of May 14.

WHY INDIA IS WORRIED ABOUT CRUDE OIL PRICES AGAIN

That discounted Russian oil had acted as

an important cushion for India at a time when global energy markets remained volatile.

But with the waiver ending, Indian refiners may now face stricter compliance checks, sanctions risks and

financial hurdles while buying Russian crude.

At the same time, crude oil prices are again moving higher. Oil prices extended gains on Monday after efforts to end the US-Israeli war on Iran appeared to stall. Concerns increased after a nuclear power plant in the UAE reportedly came under attack, while reports suggested US President Donald Trump was expected to discuss military options on Iran.

Brent crude rose 1.81% to USD 111.24 per barrel, while WTI crude climbed 2.15% to USD 107.69 per barrel.

The surge in oil prices is important for India because the country imports nearly 85% of its crude oil requirements. This makes domestic fuel prices highly sensitive to global crude oil movements and geopolitical disruptions.

NEWS BOX

Faced with war, crackdown against Baha’is rising in Iran

ROME.(Agency)
The Baha’i community in India has been deeply distressed by the war in Iran, which has seen an uptick in persecution of Iranian Baha’is. Many Indian Baha’is originally came from Iran and continue to have relatives in that country.With the Islamic Republic regime tightening its grip and brutally crushing any internal opposition during the conflict, the crackdown has been Jharsh on Iranian Baha’is, the country’s largest non-Muslim minority community.“There’s a history of persecution of Iranian Baha’is that became a systematic state policy after the 1979 Islamic Revolution,” says Nilakshi Rajkhowa, representative of the Baha’i office of public affairs. “Whenever there is a crisis in Iran, Baha’is are made scapegoats. The Islamic Republic constitution doesn’t even recognise the Baha’i faith, and there was even a 1991 memorandum that called for blocking the development of Baha’is from all sides.”

The Islamic Republic has long denied Baha’is basic rights such as access to education, govt employment, and even cemeteries to bury their dead. During the latest conflict, dozens of Baha’is have been detained, charged or prosecuted without due process. They include cousins Peyvand and Borna Naeimi.

According to Iran Human Rights, 30-year-old Peyvand was arrested on Jan 8 in Kerman. He was accused of encouraging other Iranian youth to protest, wasn’t given a lawyer, and was reportedly subjected to torture in detention, including mock executions.

Borna was arrested on March 1 and similarly subjected to torture. The authorities extracted forced confessions out of the cousins under extreme duress for the killing of three security personnel, according to the Baha’i International Community and Amnesty International.The most common allegation levelled against Baha’is in Iran is espionage at the behest of Israel. “This is complete nonsense. The founder of the Baha’i faith, Baha’u’llah, was exiled in the 19th century, and his final resting place is near Haifa in modern-day Israel. The Islamic Republic regime keeps linking Baha’is to Israel because of this. But modern Israel didn’t even exist back then, it was part of the old Ottoman Empire,” says Farah Motalebi, who was born and raised in Tehran.

“Last July, my mother-in-law passed away in Shahrood in eastern Iran, where she was denied burial. They had to carry her body 300 km to another city for burial. This is the consitent persecution we have faced for 40 years.”

Donald Trump-Xi Jinping summit: Taiwan absent from White House China visit summary amid Iran, trade focus

world.(Agency)
White House on Sunday released a fact sheet on US President Donald Trump’s visit to China, outlining agreements on trade, investment and the Iran crisis but making no mention of Taiwan despite the issue dominating discussions during Trump’s meetings with Chinese President Xi Jinping.

According to the fact sheet, the two countries agreed to establish new “US-China Board of Trade” and “US-China Board of Investment” mechanisms to manage bilateral economic and investment issues.

The document stated that Trump and Xi agreed that Iran “cannot have a nuclear weapon”, called for reopening the Strait of Hormuz and agreed that “no country or organisation can be allowed to charge tolls”.The White House also said Trump would host Xi in Washington later this year and that both countries would support each other as hosts of the G20 and APEC summits.

Trade, rare earths and Boeing deals highlighted
The fact sheet said China would address US concerns over shortages of rare earth minerals and critical materials, including yttrium, scandium, neodymium and indium.It also announced that China had approved an initial purchase of 200 Boeing aircraft for Chinese airlines, describing it as the first major commitment for American-made Boeing planes since 2017.Additionally, China committed to buying at least \$17 billion worth of US agricultural products annually in 2026, 2027 and 2028, besides earlier soybean commitments made in 2025.

6 Of A Family Among 10 Shot Dead In Mexico, Domestic Dispute Suspected

World.(Agency)
Ten people were shot dead in central Mexico in what appeared to be a domestic dispute, local officials said Sunday, the latest spasm of violence in a country that is preparing to co-host the World Cup beginning next month.Six men, three women and a minor died in a shooting inside a home in the municipality of Tehuizingo, located approximately 200 kilometers (125 miles) south of Mexico City, the government of the state of Puebla said in a statement.
Nine people died at the scene from gunshot wounds and one woman died while being transported to the hospital, prosecutors said."Our working theory in the investigation is that this was a family-related matter," said Puebla state prosecutor Idamis Pastor.
Of the 10 victims, six were members of a single family, and the other four were "workers," Pastor added.



2 US fighter jets collide, explode during Idaho air show, crew eject safely

Videos shared online showed the two aircraft colliding in the air before breaking apart. Moments later, four parachutes could be seen descending toward the ground.

World.(Agency)
Two US fighter jets collided mid-air during an air show at Mountain Home Air Force Base on Sunday, forcing the air base into lockdown. The crash happened during the Gunfighter Skies Air Show in Idaho, United States. According to local media, an aircraft incident occurred shortly after 12:30 pm (local time). Emergency crews rushed to the scene as thick black smoke rose near the crash site.
The aircraft involved in the accident were two EA-18G Growler fighter jets. The jets crashed around two miles outside the base.
ALL FOUR CREW MEMBERS EJECT SAFELY
Videos shared online showed the two aircraft colliding in the air before breaking apart. Moments later, four parachutes could be seen descending toward the ground. According to the Idaho Statesman, an announcer at the show told the crowd that

all four crew members safely ejected from the aircraft.
Four crew members safely ejected after two military jets collided mid-air during an air show near Mountain Home Air Force Base in Idaho on Sunday, the US Navy later said.
Mountain Home Air Force Base says emergency responders remain at the scene while investigators examine the crash. "Emergency responders are on the scene and investigation is underway and more details will be released as they become available," a spokesperson told Reuters.
Authorities canceled all remaining events scheduled for Sunday after the crash.

Mountain Home Police also confirmed the base had been placed under lockdown

Thousands attended the event to watch military aircraft displays and aerial demonstrations. Air show organisers had spent nearly two years preparing for the event. Safety teams and maintenance crews were stationed across the base throughout the weekend.
The crash has revived concerns over past incidents at Mountain Home air shows. In 2018, a hang glider pilot died after crashing onto the runway during an event at the base.
A Thunderbirds jet also crashed during a 2003 air show at Mountain Home. The pilot survived after ejecting seconds before impact.



Gaza strikes kill eight as Israel-Hamas ceasefire efforts falter

world.(Agency)
Israeli strikes killed at least eight Palestinians in the Gaza Strip on Sunday, health officials said, as ceasefire efforts meant to end fighting between Israel and the Hamas militant group falter.In the weeks since halting its joint bombing with the U.S. in Iran, Israel has stepped up its attacks in Gaza, where Hamas has been tightening its grip, even as Israeli troops remain in control of more than half the territory.Medics said an Israeli strike killed one Palestinian near a police post and another at a tent encampment in Khan Younis in the southern Gaza Strip. The Israeli military said it killed a militant who posed an immediate threat to fSeparately, Gaza medics said another Israeli airstrike killed at least three people at a community kitchen near Al-Aqsa Hospital in Deir al-Balah, in the central Gaza area. The Israeli military said the strike targeted a Hamas commander developing anti-tank missiles.Gaza medical officials said three more Palestinians were killed, one in a shooting incident in Khan

Younis in the southern Gaza Strip and two others in an Israeli airstrike near a bakery in Deir al-Balah in central Gaza.On Saturday, the Israeli military said Izz al-Din al-Haddad, the head of Hamas' armed wing in Gaza, was



killed in what it described as a precise strike on Gaza City on Friday.orces in the area.Hamas confirmed Haddad's death but stopped short of threatening revenge.
HAMAS COMMANDER KILLED IN CAR
The Israeli military said it had also killed

Bahaa Baroud, a Hamas Operations Headquarters commander, in an airstrike on Saturday, accusing him of planning multiple imminent attacks against troops and Israeli civilians in recent weeks.The military said Baroud posed an immediate threat and was targeted in a precise strike, adding measures were taken beforehand to reduce civilian harm, including the use of precision munitions and aerial surveillance.Gaza health officials said Baroud, along with another person, was killed in the airstrike, which targeted their car in Gaza City.Israel and Hamas remain deadlocked in indirect talks to advance U.S. President Donald Trump's post-war plan for Gaza that is meant to end more than two years of fighting with Hamas disarming as Israeli troops withdraw from Gaza.Some 870 Palestinians have been killed in Israeli strikes since the October ceasefire, according to figures that do not distinguish between combatants and civilians. Four Israeli soldiers were killed by militants during the same period.

Drone strikes UAE nuclear plant as US and Iran signal they are prepared to resume war

DUBAI.(Agency)
A drone strike sparked a fire on the edge of the United Arab Emirates' sole nuclear power plant on Sunday in what authorities said was an "unprovoked terrorist attack." No one was blamed, but it highlighted the risk of renewed war as the United States and Iran signaled they were ready to fight again. There were no reported injuries or radiological release. The UAE, which has hosted air defenses and personnel from Israel, recently accused Iran of launching drone and missile attacks. Tensions have risen over the Strait of Hormuz, a vital energy waterway gripped by Iran, which is under a U.S. naval blockade."For Iran, the Clock is Ticking, and they better get moving, FAST, or there won't be anything left

of them," U.S. President Donald Trump posted on social media shortly after a call with Prime Minister Benjamin Netanyahu of Israel, which sparked the war by attacking Iran with the U.S. on Feb. 28.Trump has repeatedly set deadlines for Tehran and then backed off before they expire.Iranian forces are "fully prepared to confront any new potential attack," Brig.Gen. Reza Talei-Nik, an Iranian Defense Ministry spokesperson, told state media. State television has shown news anchors holding rifles.The Iran ceasefire remains tenuous, with diplomatic efforts for a more durable peace having faltered. And fighting has heated up between Israel and the Iran-backed Hezbollah militant group in Lebanon despite a nBarakah plant can provide a

quarter of the UAE's energyThe UAE Defense Ministry said three drones came over its western border with Saudi Arabia, with the other two intercepted. It was investigating who launched them. Iran and allied Shiite militias in Iraq have launched drone attacks targeting Gulf Arab states in the war.The attack, "whether carried out by the principal actor or through one of its proxies, represents a dangerous escalation," Anwar Gargash, a diplomatic adviser to the UAE president, said on social media.ominial ceasefire there.The \$20 billion Barakah nuclear power plant was built by the UAE with the help of South Korea and went online in 2020. It is the only nuclear power plant in the Arab world and can provide a quarter of the energy .

Hantavirus-hit MV Hondius set to dock in Rotterdam for disinfection

JERUSALEM.(Agency)
The hantavirus-hit cruise ship MV Hondius was due to dock in Rotterdam on Monday morning for disinfection, with Dutch authorities preparing quarantine arrangements for the 25 crew members and two medical staff remaining on board.Local authorities said quarantine facilities had been set up for some of the non-Dutch crew, though it was not clear yet if they would stay there for the full recommended 42-day quarantine periodThe Dutch-flagged luxury cruise ship had been carrying around 150 passengers and crew from 23 countries when a cluster of severe respiratory illnesses among passengers was first reported to the WThree people - a Dutch couple and a German national - have died since the start of the outbreak.
NOTHING LIKE COVID, SAYS WHO
The vessel, operated by Oceanwide Expeditions, had been stranded off Cape Verde, its intended final destination, earlier this month after authorities barred passengers from going ashore due to the outbreak. The WHO and the EU asked Spain to manage the evacuation at the Canary Islands, after which the ship departed for Rotterdam with a skeleton crew and two additional medical staff.
Hantavirus is primarily spread by rodents but can be transmitted between people in rare cases and after prolonged, close contact. Incubation can last about six weeks.orld Health Organization on May 2..Crew, passengers who already left the ship and people in contact with them have been quarantined in several countries around the world.
The current outbreak involves the so-called Andes virus, which has circulated in Argentina and Chile for decades. Ship samples show no meaningful variation in the virus, the European Centre for Disease Prevention and Control has said.
On Friday, the WHO revised its case count to 10 from 11 after an inconclusive U.S. case tested negative. As of May 15, there were 10 WHO reported cases - eight confirmed and two probable - including the three deaths.British Columbia's government said on Saturday one Canadian, who had been a passenger on the Hondius, had also tested positive for hantavirus. The WHO said on Sunday it was waiting for official updates but that this would make it 11 cases.It said earlier this month more cases were expected to emerge from the outbreak but stressed that the situation was nothing like COVID and did not constitute a pandemic.Due to the long incubation period, the search for new cases could continue for months, testing authorities' post-COVID communications playbook.The WHO recommends monitoring and quarantining high-risk contacts for 42 days after exposure, while advising low-risk contacts to self-monitor and seek medical care if symptoms develop.

10 new suspected Epstein victims come forward in France amid probe

France launched a special task force in February to examine possible crimes linked to Epstein that may have taken place in France or involved French nationals accused of helping his operations.

World.(Agency)
The investigation into Jeffrey Epstein and his alleged network has expanded after 10 previously unknown suspected victims recently contacted French authorities following the release of fresh US court documents linked to the convicted sex offender, Paris' top public prosecutor said, France launched a special task force in

February to examine possible crimes linked to Epstein that may have taken place in France or involved French nationals accused of helping his operations. The move followed the release of another batch of documents from the US Justice Department's long-running Epstein investigation.
Paris Public Prosecutor Laure Beccua said nearly 20 people had contacted investigators since February. "Some were already known to investigators, but we also had new victims come forward, ones we didn't know at all. There are around 10 of them," Beccua told RTL Radio, as quoted by AFP. She added that several of the alleged victims currently live outside France.
INVESTIGATORS DIG THROUGH EPSTEIN FILES
Investigators in Paris are now reviewing telephone records, address books, computer materials and names that appeared in the US documents as they attempt to trace possible French

connections to Epstein's operations. "We have also got back out Mr Epstein's computer, his telephone records, his address books," Beccua said, adding that French authorities would seek



international assistance as part of the inquiry. So far, prosecutors say no major suspect has been formally questioned in the renewed investigation.
"It is only once we have fully understood Epstein's relationships with the other key figures in France that we will hear from the defendants," Beccua said. Epstein died in a Manhattan jail cell in 2019 while

awaiting trial on charges of trafficking underage girls for sex. His death was ruled a suicide.
WHO ARE THE KEY FIGURES IN FRANCE'S EPSTEIN PROBE?
Several people already linked to earlier investigations in France have again come under focus as prosecutors widen the probe. Among them is former modelling agent Jean-Luc Brunel, who had been accused of rape and trafficking minors for Epstein before he died in prison in 2022. Prosecutors believe Brunel played a role in recruiting and transporting young women connected to Epstein's network.
Former Elite modelling executive Gerald Marie is also under investigation over allegations of sexual assault and trafficking-related offences. He has denied wrongdoing.French media reports also identified modelling scout Daniel Siad as another figure under scrutiny. Two former models have accused him of grooming them with the aim of introducing them either to Epstein or Marie.

NEWS BOX

Kotla feels like an away ground: Hemang Badani's brutal verdict on Delhi Capitals' home woes

CHENNAI. (Agency)

Delhi Capitals finally snapped their miserable run at home with a crucial five-wicket win over Rajasthan Royals in their final league match at the Arun Jaitley Stadium, keeping their IPL 2026 playoff hopes alive.

Yet, even victory could not hide the frustration simmering within the camp over what head coach Hemang Badani believes has become a deeply unsettling disconnect between the team and its own home conditions. As has often been the case this season, Badani did not shy away from addressing Delhi's troubled relationship with the Kotla surface. DC managed only two wins in seven matches at home this season, losing five consecutive games in between despite building a squad that was expected to thrive in familiar conditions. "We've stopped discussing the surface. We play this as an away venue," Badani said after the win.

That one line perhaps best captured Delhi Capitals' bizarre home campaign in IPL 2026. For the second time this season, and far



more directly this time, Badani suggested that DC had effectively been stripped of any meaningful home advantage. The numbers only reinforce his argument. Delhi's home season began and ended with victories, but the five defeats sandwiched in between gave them a staggering 71.4 percent loss record at home, the worst among all 10 IPL teams this season. "If you break the season into two halves, what's happened at home and what's happened away, we've had four wins in six games away and we have primarily struggled at home," Badani said. The trend extends beyond this season. Since the start of IPL 2025, Delhi Capitals have won only three of their 12 matches in Delhi. "That pretty much tells you how this surface has been for us," Badani said. "It hasn't been conducive to our style of play. We've, at many times, not been able to figure out what the surface is like."

IPL Play of the Day: Mitchell Starc comes clutch to rip the life out of Rajasthan

IPL 2026, DC vs RR: Mitchell Starc rattled Rajasthan Royals with a sensational over in which he picked up three wickets, laying the foundation for Delhi Capitals' five-wicket win on Sunday at the Arun Jaitley Stadium in New Delhi.

New Delhi. (Agency)

They say T20 matches can turn in the space of a few overs, but on Sunday, Mitchell Starc produced one over that completely changed the game on its head. Delhi Capitals beat Rajasthan Royals by five wickets, but the victory may not have been possible had Starc not stepped up at the crucial moment. Without Starc, the Capitals could already have been knocked out of the competition, left to play only for pride for the remainder of the tournament.

With the Royals blazing along at 160 for two in 14 overs, they looked well on course to reach a total in the region of 240. Instead, they failed to even cross the 200-run mark, eventually managing only 193 for eight. The man responsible for that dramatic turnaround was Starc, who broke the Royals' back by taking three wickets in the 15th over. That spell completely derailed Rajasthan's innings, leaving them with little chance of recovering. Starc finished with superb figures of 4-0-40-4 and was deservedly named Player of the Match. Having played enough cricket at the highest level, stepping up in moments of crisis has almost become second nature to him. He has done it time and again for Australia, played a massive role in helping Kolkata Knight Riders win the IPL title in 2024, and is now once again showcasing his class for the Capitals.

HOW MITCHELL STARC ROCKED THE ROYALS

When Riyan Parag took Mukesh Kumar for 23 runs in the 12th over, scoring runs looked far



too easy for the Royals. However, Starc pulled things back brilliantly for the Capitals, with Rajasthan managing only 33 runs in the last six overs while losing six wickets in the

process.

The 15th over began with Dhruv Jurel collecting a single to deep midwicket, but what followed was pure destruction. On the very next delivery, Starc removed the dangerous Parag, who had smashed 51 off just 26 balls. Starc cleverly rolled his fingers over an off-speed delivery, forcing Parag into a mistimed slog that was brilliantly caught by Axar Patel running in from long-on.

The carnage continued immediately as Donovan Ferreira walked in and departed for a golden duck. Starc banged in a short-of-length delivery outside off, Ferreira attempted an ambitious heave first ball, but once again Axar Patel completed the catch in the deep.

Although Ravi Singh denied Starc a hat-trick with a boundary through midwicket, the Australian had the final word. Slipping in another slower delivery, Starc trapped Ravi Singh plumb lbw as HawkEye confirmed three reds.

CSK vs SRH Preview: MS Dhoni's potential farewell masks playoff qualification drama in Chennai

New Delhi. (Agency)

Chennai Super Kings are set to play their final home game of the Indian Premier League 2026 season. It is arguably their most important game of the campaign, against SunRisers Hyderabad, as a loss would almost certainly knock them out of the playoff race. Having said that, the result itself might not be the biggest story heading into the game.

With CSK playing their final home fixture of the season, almost all the focus is on Mahendra Singh Dhoni and whether he will feature against SunRisers Hyderabad. The speculation comes from the promise Dhoni has repeatedly made over the last few years: that he would play his final T20 game in Chennai, in front of the passionate fans at the MA Chidambaram Stadium.

That possibility has completely changed the mood around the fixture.

In a season filled with injuries and strains, Dhoni has played hide-and-seek with the fans. After injuring his calf at the start of IPL 2026, he largely stayed away from the limelight. On multiple occasions this season, reports emerged from the CSK camp suggesting that the legendary captain was perfectly fine physically but was



choosing to stay away in order to provide opportunities to younger players who could become the core of the franchise in the coming years. And truthfully, that transition has already started to show signs of rebuilding.

This season has seen players like Kartik Sharma, Urvil Patel and Ramakrishna Ghosh step up for the side. Alongside the likes of Ayush Mhatre, Dewald Brevis and Noor Ahmad, CSK appear to be building a young core that could keep the franchise competitive in the near future.

But the final home game of the season changes all of that. The fans want Dhoni. The fans need Dhoni.

More than anything else, they want clarity. Has Dhoni already played his final IPL game? Will he return next season? Or will one of the most iconic careers in Indian cricket quietly come to an end without a farewell on the field?

With Suresh Raina arriving in Chennai ahead of the fixture, the rumours around Dhoni's final appearance have only grown stronger over the last 48 hours.

And yet, beneath all the emotion, there remains a serious cricketing question for CSK to answer. This is still a must-win game.

IPL chairman Arun Dhumal interview: Leagues over bilaterals, real life over reels

Dharamsala. (Agency)

The mountains do not care about the IPL. They sit behind the HPCA Stadium in Dharamsala the way they always have, enormous, indifferent, white-tipped, while below them ten franchises and their billions of dollars and their social media controversies play out across two months of Indian summer. It is a good place, then, to find some perspective.

Arun Singh Dhumal is in his office at the stadium, and he is in no hurry. He leans back, he smiles often, he pauses before answering in the way that people do when they have actually thought about something rather than just rehearsed a line. He is the chairman of the Indian Premier League, the second most valuable sports league in the world, a tournament whose two franchise sales in a single March week, Royal Challengers Bengaluru at \$1.78 billion and Rajasthan Royals at \$1.63 billion, made front pages well beyond the sports desk. He is also the younger brother of Anurag Thakur, the former BCCI president and Union Cabinet minister, and



the son of Prem Kumar Dhumal, twice Chief Minister of Himachal Pradesh. Cricket and politics and administration are, for him, not separate worlds. They are simply the air he has breathed since boyhood.

He grew up in Jalandhar, at a school that produced half the Punjab Ranji Trophy team. His cousins played Duleep Trophy and Ranji Trophy cricket. His brother Anurag played India Under-15 and Under-19. Arun captained the cricket team at his engineering college and played for his university. The love for the game was never in doubt. The path into administration came later, circuitously, as these things often do, through eligibility rules and Supreme Court orders and the particular accidents of timing that shape careers.

He became HPCA president, then resigned within 10 days to contest the BCCI treasurer's election in 2019, which he won. He grew the BCCI treasury by Rs 6,000 crore between 2019 and 2022. When the IPL chairmanship came up, it was first offered to Sourav Ganguly, who declined. Dhumal stepped in. He has not looked back.

Playoffs

Kohli's electric energy in the outfield was the perfect sequel to his batting masterclass earlier in the evening. Laying a solid



foundation for RCB on a batting-friendly surface, he smashed an authoritative 58 off 37 balls, anchoring a crucial 76-run partnership with Devdutt Padikkal (45). In doing so, Kohli crossed the 500-run milestone for the season—marking a historic, record-extending 9th time he has

scored 500+ runs in a single IPL edition. Clinical RCB Become First to Qualify

Driven by Kohli's intensity and a spectacular 40-ball 73 not out from Venkatesh Iyer, RCB posted a daunting 222 for four.

In reply, Punjab Kings were kept under a tight leash by RCB's disciplined pace attack. Veteran seamer Bhuvneshwar Kumar struck early, removing Priyansh Arya in the opening over to throw PBKS off balance. While Shashank Singh kept up a valiant fight with a bold 56 off 27 balls, it wasn't enough against RCB's sharp fielding units.

Fittingly, Kohli himself cut down Punjab's rising momentum by pocketing a neat, flat catch at long-off to dismiss the dangerous Suryansh Shedge (35). RCB successfully restricted PBKS to 199 for eight, securing a 23-run victory to become the first team to officially lock in an IPL 2026 playoff berth, all while their talisman proved he remains the gold standard of world-class fitness.

Jose Mourinho breaks silence on Real Madrid rumours

NEW DELHI. (Agency)

Portuguese manager Jose Mourinho has broken his silence on rumours linking him with a sensational return to Real Madrid, admitting that there is contact between him and the club. However, in a classic Mourinho fashion, he has insisted that no formal offer has been made to him so far.

Speaking on Sunday, May 17, Mourinho confirmed that discussions around his future are expected to intensify this week as uncertainty continues to surround Madrid manager Alvaro Arbeloa.

"My future should be decided this week," Mourinho told reporters.

"I have a proposal from Benfica. I don't have a proposal from Real Madrid. At the same time, I was saying that to hide that there is nothing, we cannot do that, there is something, but not with me directly.

"I need time, I need space, I need time to make my decision and this week I think is going to be very important."

Mourinho, 63, has emerged as one of the leading candidates to take over at Real Madrid after guiding Benfica through an unbeaten Primeira Liga season. The veteran coach is currently contracted with Benfica until June 2027, although the Portuguese club are reportedly pushing to extend his deal further.

WHY REAL MADRID NEED A NEW MANAGER?

The links to Madrid have gained momentum amid growing turmoil at the Spanish giants this season. Real Madrid are currently battling an internal crisis after a disappointing campaign that has seen them fall behind in the La Liga title race and struggle in Europe.

Reports in Spain have also suggested that tensions inside the dressing room have escalated in recent months, with multiple confrontations allegedly taking place between senior players. Questions have also been raised about the tactical direction of the team under Arbeloa, who took charge ahead of the current season.



Tara Sutaria

Says Yash Is ‘Incredible As A Human And Co-Star’, Calls Working On Toxic ‘Satisfactory’

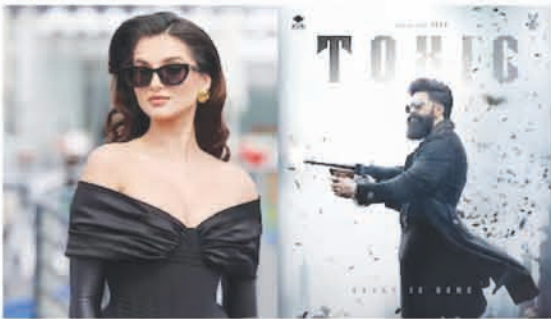
Tara Sutaria is currently at the Cannes Film Festival, where the actress has opened up about the experience of working on Yash’s upcoming action thriller Toxic: A Fairy Tale For Grown-Ups. The actress revealed that working on the film was very “satisfactory and pleasing” to her. At the ongoing Cannes Film Festival, Tara Sutaria opened up about her experience during a conversation with The Hollywood Reporter India, calling the film one of the most creatively fulfilling experiences of her career so far. “Doing Toxic to me is so satisfactory, it’s so pleasing,” she said, before adding, “I also just want to be on sets that make me feel good, that are led well with integrity and with purpose and intention, and we have all of these things with Geetu Mohandas and with Yash.”

The actor went on to speak emotionally about collaborating with Geetu Mohandas, describing the filmmaker’s leadership and creative environment as something truly special. “It has been like the joy of my life,” Tara shared. “To work with Geetu and to be led by a woman, it’s a world of difference on set.” When asked about her character, Rebecca, Tara remained careful not to reveal too much and added, “She’s fascinating,” before immediately saying, “All of the women in this film are fascinating.”

“It has also been really interesting to see so many women come together alongside Yash. He has been incredible both as a human being and as a co-star,” she shared. Reflecting on the collaborative energy on set, she continued, “To see all of us women come together at different ages and stages of our lives, careers, all of it, and really celebrate each scene... when we are together, I just sit and observe because it is so rare to do that and to experience another. It’s been really the joy of my life.”

More about Yash’s Toxic

With Toxic, the collaboration between Yash and Geetu Mohandas signals a shift in how action cinema can be imagined, blending scale with sensitivity, and grit with a distinctly fresh perspective. What further elevates the film is its powerful lineup of female characters, with actors like Nayanthara, Kiara Advani, Huma Qureshi, Rukmini Vasanth, and Tara Sutaria playing pivotal roles, making it even more intriguing to see how these narratives unfold within a genre traditionally dominated by male perspectives.



Mouni Roy Follows Suraj Nambiar On IG After Divorce Announcement; What About Disha Patani?



Actress Mouni Roy and businessman Suraj Nambiar’s social media activity has caught everyone’s attention amid their divorce announcement. While Mouni Roy still follows Suraj on Instagram, the businessman does not follow his estranged wife on the social media site. Previously, eagle-eyed fans had noticed that Mouni Roy and Suraj Nambiar had unfollowed each other on Instagram. They even noticed that Disha Patani had unfollowed Suraj before he had allegedly deactivated his account. Suraj’s account was visible again when he and Mouni jointly announced their divorce.

Now, it has been verified that Mouni Roy still follows Suraj while he does not follow her back. As for Disha Patani and Suraj Nambiar, they continue to unfollow one another. Meanwhile, Mouni Roy has also not deleted her wedding photos with Suraj, contrary to reports.

While Mouni only features once on Suraj’s profile, and that too, without her face, the businessman can be seen on the actor’s profile once scrolled down. Mouni Roy’s wedding post and the pictures of the happy and cosy moments that she once shared with Suraj have gone viral again amid the divorce. Fans have taken to Mouni’s comments section to send their love.

However, in a shocking turn of events, they have also taken to Disha Patani’s comments section to troll the actor. The trolling began after social media users claimed that Disha Patani had unfollowed Suraj Nambiar on Instagram around the same time divorce rumours about Mouni and Suraj started gaining traction online.

This sparked a wave of speculation across gossip pages and Reddit threads, with some users attempting to connect Disha to the couple’s personal issues without any evidence. Disha and Mouni have long been known to share a close friendship. Because of their visibly affectionate friendship and close public bond, sections of social media began circulating jokes, memes, and baseless theories involving Disha.

Ayushmann Khurrana Recalls Breaking Up With Tahira After Roadies Win: ‘She Laughed At Me’



Ayushmann Khurrana recently called himself a “green flag husband,” but the actor admitted that he was not always that way. During a candid conversation while promoting Pati Patni Aur Woh Do, Ayushmann revealed that after winning MTV Roadies at the age of 20, he broke up with his then-girlfriend, Tahira Kashyap, who is now his wife. Ayushmann appeared on Raunaq Rajani’s YouTube channel with his co-stars Wamiqa Gabbi, Rakul Preet Singh and Sara Ali Khan. During the chat, the actor opened up about relationships, early fame and how he went from being what he called a “deep red flag” to a “green flag husband.”

Ayushmann On Breaking Up With Tahira

While discussing people who end relationships after achieving success, Ayushmann recalled going through something similar in his own life. He said, “I have gone through a similar situation. I was 20 at that time. I said the same things to my girlfriend, who is now my wife. She started laughing and asked me, ‘What has happened to you?’ I had just won Roadies, but in my head, I was the most popular guy in Chandigarh.”

The actor added, “I broke up with her for a while to focus on myself. I was like, ‘I don’t have time for relationships. I have to invest time in myself.’” Ayushmann then joked about how men often evolve with age. He said, “Men have this deep tendency of starting off as a huge red flag and then suddenly becoming a green flag by the time they are in their mid-30s. I think it’s a journey we all take. I think I am a green flag now.” However, the breakup did not last very long. Around six months later, Ayushmann realised his mistake and reconciled with Tahira. The couple eventually got married when he was 24.

By the time Ayushmann made his Bollywood debut as a lead actor with Vicky Donor, he had already become a father of two children.

Ayushmann Says He Donated Sperm During Roadies

Talking about Vicky Donor, which revolved around sperm donation, Ayushmann joked, “Even before starting Vicky Donor, I was already a father. I took method acting a bit too seriously.” The actor then revealed that he had actually donated sperm in real life before doing the film. He shared that it happened during a task on Roadies.

Alia Bhatt

To Star In Tumbbad 3 As Female Lead, Set To Make Extended Cameo In Tumbbad 2: Report

Alia Bhatt is one of the most talented and loved actresses in Indian cinema, and the actress, who is currently at the Cannes Film Festival, is said to be a part of the popular Tumbbad franchise. Reports suggest that the actress will shoot a 15-day-long extended cameo in Sohum Shah-led Tumbbad 2, while she will also play the lead in the third part of the franchise. As per a source close to the development, who shared details with Bollywood Hungama, “Alia is doing a 15-day extended cameo in Tumbbad 2, and it’s a character that is integral to the overall narrative of the film. That’s not all, her character will carry forward in the third part, which is the finale of the Tumbbad trilogy. Tumbbad 2 will introduce Alia Bhatt as the central character of Tumbbad 3, alongside Sohum Shah.”



& War. “Love & War restarts from June and will be wrapped up by August 2026. The Sanjay Leela Bhansali directorial hits the big screen on Republic Day 2027,” the source added.

Director Adesh Prasad’s sequel is set to delve deeper into the dark, cursed mythology surrounding the deity Hastar, expanding on the eerie lore established in the first film. It will explore the dangerous consequences of awakening forces that were never meant to be worshipped, promising a more intense and unsettling narrative that builds on the original’s haunting premise.

Recently, Sohum Shah and Nawazuddin Siddiqui shared the poster and announced the release date. “A sinful past, an ominous future. The hunger rises, the legacy of greed continues... Mark your calendars #Tumbbad2 arrives on 3.12.2027 #PralayAayega,” read the caption.

